सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 15 अंक - 198 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, गुरूवार 02 मई 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

अगले हफ्ते जारी हो सकते हैं 10वीं, 12वीं के नतीजे

रायपुर। छत्तीसगढ़ बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन (सीजीबीएसई) कक्षा 10, 12वीं के 2024 के नतीजें कब जारी होंगे, इसको लेकर अभी आधिकारिक तौर पर कोई जानकारी अभी सामने नहीं आई है, लेकिन कहा जा रहा है कि बोर्ड ने नतीजे जारी करने के लिए अनुमति मांगी है, जिसके अनुसार कहा जा रहा है कि नतीजे 8-10 मई तक जारी किए जा सकते हैं। एक बार नतीजे जारी होने पर आधिकारिक वेबसाइट - results.cg.nic.in (cgbse.nic.in) और results.cg.nic.in पर चेक किए जा सकेंगे। बताया जा रहा है कि सीजी बोर्ड 10वीं 12वीं रिजल्ट 10 मई तक दोनों क्लासों के नतीजे जारी कर दिए जाएंगे। पिछले साल सीजी बोर्ड 10वीं 12वीं रिजल्ट 10 मई को घोषित किए गए थे। घोषणा से पहले राज्य सरकार बच्चों में परीक्षा रिजल्ट को लेकर बढ़ते मानसिक तनाव से निजात दिलाने को लेकर एक पहल कर रही है। नतीजे आने से पहले बच्चों तथा अभिभावकों के तनाव को दूर करने शिक्षक अभिभावक की सामूहिक बैठक करने का निर्णय लिया है। शिक्षा सचिव सिद्धार्थ कोमल परदेशी ने सभी कलेक्टर, डीईओ, बीईओ-बीआरसी और सीआरसीसी को निर्देश दिया है कि परीक्षा परिणाम को लेकर तनावग्रस्त होने वाले बच्चों और अभिभावकों के साथ बातचीत की जाये, ताकि वे किसी तरह का गलत निर्णय न ले सकें।

शराबी दूल्हे ने ग्रामीणों पर चढ़ा दी कार

खैरागढ़। ब्लॉक के टेकापार मुड़्यार में शराब के नशे में धुत्त दूल्हे ने बारातियों का नाच देख रहे गांव वालों पर गाड़ी ही चढ़ा दी। घटना में एक दर्जन के आसपास लोगों को चोंटे आई है। मुढ़ीपार से सटे टेकापार मुड़पार में गेंदलाल साहू की बिटिया को ब्याहने राजनांदगांव जिले से बारात आई थी। बारात देखने बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंचे थे। इस दौरान वाहन चालक भी इंडिका कार से उतरकर नाचने लगा तो दूल्हे ने स्वयं गाड़ी की स्टेयरिंग संभाल ली, लेकिन अचानक कार ने रफ्तार पकड़ ली और वहां खड़े दर्जनभर बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को अपनी चपेट में ले लिया। तत्काल घायलों को अस्पताल रवाना किया। घटना के बाद नाराज गांववालों ने शराब के नशे में धुत्त बारातियों को जमकर पीटा। दूल्हा भी शराब के नशे में बताया गया, जिसे गांव वालों से छिपाकर रखा गया। अगली सुबह लड़की ने शराब दूल्हे से शादी करने से मना कर दिया, जिसके बाद गातापार थाने में अपराध दर्ज कराया गया।

45-46 डिग्री की गर्मी के लिए रहें तैयार!

रायपुर-दुर्ग में पारा 42 पार, अगले चार दिनों में तीन से चार डिग्री बढ़ेगा तापमान

श्रीकंचनपथ न्यूज़ डेस्क

रायपुर। मौसम विभाग ने आने वाले चार दिनों में तापमान के तीन से चार डिग्री चढ़ने की संभावना जाहिर की है। वर्तमान में राज्य के ज्यादातर इलाकों में तापमान 40 डिग्री के पार है। वहीं रायपुर, दुर्ग, राजनांदगांव, बिलासपुर जैसे मैदानी इलाकों में पारा 42 डिग्री के आसपास है। इन हालातों में मौसम विभाग ने आने वाले चार दिनों में पारा 45 से 46 डिग्री होने की बात कही है। हालांकि राहतभरी खबर यह है कि इस दौरान हीट वेव चलने की संभावना नहीं है।

पूरे छत्तीसगढ़ में गर्मी जमकर सितम ढा रही है। तेज धूप और गर्म हवाओं से लोगों का हाल बेहाल है। भीषण गर्मी के बढ़ने के बाद लोगों को लू से बचाव के लिए अलर्ट किया गया है। मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले चार दिनों में तापमान तीन डिग्री तक बढ़ेगा। शुरुआती मई में रायपुर सहित पूरे राज्य में गर्मी ने तेवर दिखाना शुरू कर दिया है। राज्य का सर्वाधिक तापमान 44 डिग्री के करीब पहुंचने लगा है। बुधवार को रायगढ़ का तापमान अन्य शहरों को पीछे छोड़ते हुए 43.9 डिग्री तक पहुंच गया। वहीं महासमुंद, डोंगरगढ़, तिल्दा जैसे इलाकों में भी गर्मी का तेज प्रभाव दिखा। मंगलवार को डोंगरगढ़ में पारा 44 डिग्री तक चढ़ गया था।

जारी रहेगा गर्मी का प्रकोप

मौसम विभाग के अनुसार, गर्मी का प्रकोप अगले तीन से चार दिनों तक जारी रहेगा। रायपुर, दुर्ग व बिलासपुर में आज गुरुवार को आकाश साफ रहा। यहां अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस है। इससे पहले आज सुबह से ही तेज धूप होने के कारण गर्म हवाएं चलती रही। मौसम विभाग के मुताबिक, गुरूवार को दुर्ग का अधिकतम तापमान करीब 42.2 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम तापमान 25.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। प्रदेश भर में आज मौसम शुष्क बना रहेगा। इसके साथ ही अधिकतम और न्यूनतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस व 27 डिग्री सेल्सियस के आसपास बने रहने की संभावना है।

स्वास्थ्य विभाग ने किया सतर्क

स्वास्थ्य विभाग ने बढ़ते तापमान को देखते हुए लोगों को लू से बचाव के लिए सतर्क रहने को कहा है। जिला स्वास्थ्य विभाग ने इस संबंध में एडवाइजरी जारी कर लोगों को जरूरी काम होने पर ही घर से बाहर निकलने को कहा है। घर से बाहर निकलते समय धूप से बचाव के लिए स्कार्फ या अन्य साधन उपयोग में लाने के लिए कहा गया है।

अभी हीट वेव के आसार नहीं

रायपुर मौसम विभाग के वैज्ञानिक चंद्रा ने जानकारी दी है कि इस बार फिर से मौसम का पैटर्न चेंज हुआ है। प्रदेश के अधिकतर हिस्सों में दिन का तापमान 40 डिग्री के पार है, लेकिन प्रदेश में अभी हीट वेव के आसार नहीं है। ऐसा इसलिए क्योंकि हवा की दिशा दक्षिण-पश्चिम से चल रही हैं। इसके चलते गर्म हवाओं का असर नहीं है।

मई का महीना रहेगा गर्म

छत्तीसगढ़ में अप्रैल का महीना काफी ठंडा रहा, जबकि मई का महीना गर्मी के लिहाज से ज्यादा परेशान करने वाला है। मई में पारा 43 के पार जाएगा। बता दें कि छत्तीसगढ़ और आसपास के सरहदी राज्यों में बादल छंटने के साथ ही कोई सिस्टम सक्रिय नहीं है। इस वजह से लगातार तापमान में बढ़ोतरी हो रही है। अभी बारिश की संभावना भी नहीं है।

कोरबा का राजनीतिक माहौल गरमा गई प्रियंका

कांग्रेस और महंत परिवार के लिए प्रतिष्ठा का प्रश्न बन गई कोरबा सीट

श्रीकंचनपथ न्यूज़ डेस्क

रायपुर। अपने कब्जे वाली कोरबा सीट को दोबारा हासिल करना कांग्रेस के लिए प्रतिष्ठा का प्रश्न बन गया है। इस सीट पर पार्टी प्रत्याशी ज्योत्सना महंत के पक्ष में जनसभा लेने कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा पहुंची तो यहां का राजनीतिक माहौल गरमाना भी लाजिमी था। महंत के पक्ष में प्रियंका ने जोरदार चुनावी माहौल बनाया। भाजपा ने इस सीट से राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व पूर्व सांसद सरोज पाण्डेय को उतारकर कांग्रेस के समक्ष कड़ी चुनौती पेश की है। राजनीति के जानकार भी यहां कांटे की टक्कर की संभावना जता रहे हैं।

तीसरे चरण के मतदान के लिए कोरबा लोकसभा सीट को हाईप्रोफाइल सीट माना जा रहा है। जहां कांग्रेस की प्रतिष्ठा दांव पर है। वहीं बीजेपी इस सीट पर कब्जा करना चाहती है। इसके चलते दोनों ही दलों के केंद्रीय नेताओं का लगातार इस सीट पर दौरा और जनसभा के कार्यक्रम चल रहे हैं। एक दिन पहले 1 मई को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के बाद आज कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी कोरबा के चिरमिरी में आमसभा को संबोधित किया। प्रियंका ने कोरबा के चिरमिरी में प्रचार किया। उनकी चिरमिरी में दोपहर 12:30 बजे डोमनहिल फुटबॉल ग्राउंड में चुनावी सभा हुई।

प्रियंका का छत्तीसगढ़ में दूसरा दौरा

कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने गुरुवार 2 मई को कोरबा लोकसभा सीट पर जनसभा की। प्रियंका का यह दूसरा दौरा है। इससे पहले दूसरे चरण के प्रचार के लिए प्रियंका ने राजनांदगांव और कांकेर में चुनावी सभा को संबोधित किया था। इसके बाद उनकी मांग कोरबा सीट पर की गई, जहां आज सभा आयोजित की गई। छत्तीसगढ़ में लोकसभा चुनाव 2019 में कांग्रेस को प्रदेश की कुल 11 सीटों में से केवल 2 सीट बस्तर और कोरबा पर ही जीत मिली थी। बाकी 9 सीटों पर बीजेपी ने का कब्जा है। कांग्रेस ने फिर से मौजूदा सांसद ज्योत्सना महंत पर भरोसा जताया है। जबकि बीजेपी से पार्टी की दिग्गज नेत्री सरोज पांडेय को चुनावी मैदान उतारा है। इसलिए यह सीट महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

महंत ने लगाया पूरा जोर

कोरबा सीट पर विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत की प्रतिष्ठा दाँव पर है। यही वजह है कि उन्होंने अपना पूरा जोर इस सीट को जीतने पर लगा दिया है। यहां से कांग्रेस ने उनकी पत्नी ज्योत्सना महंत को दूसरी बार टिकट दिया है। विधानसभा चुनाव के परिणाम को देखते हुए राजनीतिक जानकार इस सीट पर काटें की टक्कर मानकर चल रहे हैं। इसके चलते यहां पर वीआईपी मूवमेंट के साथ ही चुनावी सभा भी लगातार हो रही है। गौरतलब है कि इस सीट से खुद महंत भी सांसद रह चुके हैं। वे केन्द्रीय मंत्री भी रहे, लेकिन अगले चुनाव में उन्हें पराजय का सामना करना पड़ा था। इसके बाद कांग्रेस ने 2019 में उनकी पत्नी ज्योत्सना महंत को प्रत्याशी बनाया, जो निवर्तमान सांसद हैं।

महुआ बँटवारे को लेकर विवाद, माँ को पीट-पीटकर मार डाला

रायगढ़। महुआ बंटवारे को लेकर उपजे विवाद में बेटे ने डंडे से अपनी मां पर ताबड़तोड़ वार कर दिया। इससे महिला को गंभीर चोंट आई और उसकी मौत हो गई। मामले की सूचना पर पुलिस ने आरोपी बेटे को गिरतार कर लिया है। घटना कापू थाना क्षेत्र के ग्राम धौराडांड की है। पुलिस के मुताबिक, 30 वर्षीय जनेव सिंह बैगा अपनी पत्नी के साथ परिवार से अलग रह रहा था। खेत से महुआ बीनने के बाद उसके बंटवारे को लेकर जनेव का अपनी माँ ढरको बाई के साथ झगड़ा हो गया। जिसके बाद उसने अपनी माँ पर डंडे से हमला कर दिया। महिला के पति चमरू राम के हस्तक्षेप के बाद जनेव राम घर से भाग गया, लेकिन डंडे के हमले से ढरको बाई को गम्भीर चोंटे आई और उसकी मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी पुत्र को गिरफ्तार कर लिया है।

जिंदा है गोल्डी बराड़

अमेरिका पुलिस ने किया गोल्डी की मौत से इनकार, कहा- मीडिया में चल रही खबरें गलत

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब का वांछित गैंगस्टर गोल्डी बराड़ जिंदा है। बुधवार को उसकी मौत की खबरें मीडिया में आई थी। इसके बाद कैलिफोर्निया में फ्रेस्नो पुलिस विभाग ने इसका खंडन किया। कि गोलीबारी की घटना में हमला करने वाले दो व्यक्तियों में से एक कनाडा स्थित गैंगस्टर गोल्डी बराड़ था। बता दें कि बुधवार को गोल्डी बराड़ की मौत की खबर सामने आने के बाद गैंगस्टर अर्श डल्ला और लखबीर ने इसकी जिम्मेदारी भी ले ली थी।

मंगलवार शाम को हुई थी फायरिंग

मंगलवार शाम को लड़ाई के बाद फ्रेस्नो के उत्तर-पश्चिमी हिस्से में फेयरमोंट और होल्ट एवेन्यू में दो युवकों पर हमला किया गया था। गोलीबारी की खबरें भारत में जंगल की आग की तरह फैल गई, जिसमें दावा किया गया कि मृतक गैंगस्टर गोल्डी बराड़ था।

फ्रेस्नो पुलिस विभाग ने कहा-खबरों में सच्चाई नहीं

फ्रेस्नो पुलिस विभाग के लेफ्टिनेंट विलियम जे डूली ने कहा कि किसी ऑनलाइन चैट के कारण दावा किया जा रहा है कि गोलीबारी का शिकार गोल्डी बराड़ है, तो हम पुष्टि करते हैं कि यह बिल्कुल सच नहीं है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया और ऑनलाइन समाचार एजेंसियों पर फैलाई जा रही सूचना के परिणामस्वरूप हमें दुनिया भर से सवाल मिले हैं। हमें नहीं पता कि यह अफवाह किसने शुरू की, लेकिन इसने तूल पकड़ लिया और जंगल की आग की तरह फैल गई। लेकिन यह सच नहीं है। पुलिस ने अभी तक उन दो व्यक्तियों की पहचान नहीं की है जिन पर हमला किया गया था, जिनमें से एक की बाद में अस्पताल में मौत हो गई। दूसरे व्यक्ति को इलाज के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

सीबीआई हमारे कंट्रोल में नहीं, बंगाल सरकार की अर्जी पर सुप्रीम कोर्ट में बोली केंद्र सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीबीआई पर भारत सरकार का नियंत्रण नहीं है। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में आज यह अहम बात कही है। बंगाल सरकार की ओर से राज्य के कई मामलों की जांच सीबीआई के हाथ जाने पर दायर अर्जी को लेकर केंद्र ने यह बात कही है। बंगाल सरकार का कहना था कि राज्य की अनुमति के बिना ही सीबीआई ने कई मामलों की जांच ले ली है। ऐसा करना गलत है और संघीय ढांचे के खिलाफ है। इस पर सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार ने शीर्ष अदालत से कहा कि सीबीआई हमारे 'नियंत्रण' में नहीं है। केंद्र ने पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से दायर वाद पर अपनी प्रारंभिक आपत्तियों में यह बात कही।

दरअसल बंगाल सरकार ने कहा है कि सीबीआई राज्य की पूर्वानुमति के बिना कई मामलों में अपनी जांच आगे बढ़ा रही है। पश्चिम बंगाल सरकार ने संविधान के अनुच्छेद 131 के तहत केंद्र के खिलाफ शीर्ष अदालत में एक मुकदमा दायर किया है। इसमें आरोप लगाया गया है कि सीबीआई प्राथमिकी दर्ज कर रही है और अपनी जांच आगे बढ़ा रही है। ऐसा तब हो रहा है, जब राज्य ने अपने अधिकार क्षेत्र में संघीय एजेंसी को मामलों की जांच के लिए दी गई आम सहमति वापस ले ली है।

सक्ती में पोहा और रसगुल्ला खाने के बाद 100 से ज्यादा हुए बीमार

श्रीकंचनपथ न्यूज

सक्ती। धार्मिक कार्यक्रम में पोहा और रसगुल्ला खाना लोगों को भारी पड़ गया। प्रसाद खाने के बाद लगभग 100 से ज्यादा लोग बीमार हो गए। सभी को हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है।

बताया जाता है कि बुधवार को सक्ती जिले के डभरा ब्लॉक के डोमनपुर में रामसप्ताह का आयोजन किया गया। इसमें काफी संख्या में लोग शामिल हुए। कार्यक्रम में महिलाओं और बच्चों की संख्या ज्यादा थी। समापन के बाद सभी को प्रसाद बांटा गया, जिसे खाने के बाद लोगों को उलटी और दस्त शिकायत होने लगी। देखते ही देखते वहां मौजूद 100 से ज्यादा लोग फूड प्वाइजनिंग के शिकार हो गए। बताया जाता है कि रामसप्ताह कार्यक्रम में डोमनपुर और गोविंदपुर के लोग बड़ी संख्या में शामिल हुए थे। धार्मिक कार्यक्रम के बाद सभी को प्रसाद के रूप में पोहा और रसगुल्ला बांटा गया। कुछ लोगों को पेट दर्द और दस्त की शिकायत शुरू हुई तो बीमारों की संख्या लगातार बढ़ने लगी। बीमार होने वाले लोगों में महिलाओं, बच्चों की संख्या ज्यादा थी। लगभग 100 से ज्यादा लोग फूड प्वाइजनिंग के शिकार हो गए। सभी को डभरा, चंद्रपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया।

डभरा बीएमओ माधुरी चंद्रा ने बताया कि 70 लोगों को डभरा अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं, 20 से 25 लोगों को चंद्रपुर में भर्ती कराया गया। कुछ लोगों को रायगढ़ जिला अस्पताल में भी भर्ती कराया गया। चंद्रा ने बताया कि रात्रि करीब 9 बजे धार्मिक आयोजन में प्रसाद के रूप में पोहा और रसगुल्ला बाँटा गया था, जिसे खाने के बाद लोगों को उल्टी-दस्त की शिकायत हुए। बीमार हुए सभी लोगों की स्थिति सामान्य है।

मैम! मे आई गो टू टॉयलेट?

श्रीकंचनपथ

इंग्लिश मीडियम स्कूल की पहली कक्षा का विद्यार्थी एकाएक खड़ा हो जाता है। पढ़ा रही मैम जब उसे सवालिया निगाहों से देखती है तो वह पूछता है-'मैम! मे आई गो टू टॉयलेट?' मैम सिर हिला देती है और वह पूरी तेज से कक्षा से बाहर निकल जाता है। सरकारी स्कूलों का छोटा बच्चा पूछता कुछ नहीं है। वह सिर्फ खड़ा हो जाता है और हाथ की छीनी उंगली (कनिष्ठा) दिखाता है। टीचर समझ जाती है और इशारे से उसे इजाजत दे देती है। प्रकृति के इस नियम को सहज स्वीकार्यता है, होनी भी चाहिए। पर सभी मैम एक जैसी नहीं होती। किसी-किसी को लगता है कि बच्चा शरारत कर रहा है। वह इजाजत नहीं देती। बच्चा काफी देर तक रोकने की कोशिश करता है और फिर पैंट गीली कर लेता है। इसके लिए बच्चे को दोष देना सही नहीं है। कुछ ऐसा ही हाल है सेक्स का। इस जरूरत को भी समाज कभी खुले दिल से स्वीकार नहीं कर पाया। इसलिए इसे हमेशा गुप्त रूप से चोरी छिपे अंजाम दिया जाता रहा। विवाह पूर्व या विवाहेत्तर संबंध कोई नई बात नहीं हैं। इसके उदाहरण पौराणिक काल में भी मिल जाएंगे। दुनिया भर में विवाहेत्तर संबंधों को लेकर राजनीतिक बवाल भी मचते रहे हैं। अमेरिका से लेकर भारत तक के कई वरिष्ठ और दमदार राजनयिकों का राजनीतिक करियर इसकी भेंट चढ़ चुका है। कुछ नेताओं ने राजभवन जैसी संस्थाओं को भी कलंकित किया है। एक नेतापुत्र के सेक्स स्कैंडल ने तो उनके प्रधानमंत्री बनने का रास्ता ही बंद कर दिया। मुगल काल में ताजमहल का निर्माण करने में लगे हुए मजदूरों के मनोरंजन के लिए कुछ ऐसी जातियों को आगरा में बसाया गया जो नाच-गाकर अपने घर से दूर पड़े इन मजदूरों का दिल बहलाते थे। इसकी आड़ में जिस्मफरोशी भी होती थी। ब्रिटिश शासनकाल में पहली बार 'रेडलाइट एरिया' का चलन प्रारंभ हुआ। ब्रिटिश हुकूमत ने अपनी सेना की जरूरत के लिए इसे मंजूरी दी। आजादी के बाद भी अधिकांश राज्यों में ऐसे गांव और गलियां बनी रहीं। लोग इन्हें कोठा, बदनाम गली, आदि नाम से पुकारते रहे हैं। पर आजादी के लगभग 50 साल बाद कुछ राज्यों ने इसे बैन कर दिया। वहां की सरकारों को लगा कि यह संबंध चोरी छिपे ही ठीक है। पर सरकार के सोचने से क्या होता है। प्रकृति का रुख मोड़ने की आप चाहे जितनी भी कोशिश करो, पहाड़ी झरना अपनी राह खुद बना लेता है। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर की बाबूलाल गली मशहूर थी। 1990 से 1993 के बीच यहां जिस्मफरोशी को बंद करवाया गया। तब छत्तीसगढ़ मध्यप्रदेश का हिस्सा था। इसके बाद से ही जिस्मफरोशी के अड्डे कालोनियों में खुल गए। खाली पड़े फ्लैट इस धंधे के लिए किराए पर चलने लगे। मसाज सेन्टर और स्पा की आड़ में भी इसे अंजाम दिया जाने लगा। बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग-भिलाई हो या जगदलपुर कोई भी शहर इससे बचा नहीं है।

संपादकीय

दवाओं पर सवाल

भ्रामक विज्ञापन मामले में सर्वोच्च न्यायालय का रुख कदापि नरम पड़ता नहीं दिख रहा है और उसके कड़े रुख का जमीनी असर दिखाई पड़ने लगा है। उत्तराखंड सरकार ने पंतजलि आयुर्वेद की 14 दवाओं के लाइसेंस रद्द कर दिए हैं। बेशक, सर्वोच्च न्यायालय की तारीफकी जा सकती है कि वह पूरे सोच-विचार के बाद ही सजा देने की ओर बढ़ रहा है। लोगों को लग सकता है कि सजा सुनाने में देरी हो रही है, लेकिन वास्तव में न्यायालय सभी पक्षों को सुनवाई का पूरा मौका देना चाहता है और यही न्यायोचित है। न्यायालय कथित औषधि के भ्रामक विज्ञापन के मामले में समाज के सामने व्यापकता में आदर्श रखना चाहता है।

> मंगलवार को इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) को भी अदालत ने फिर एक बार आड़े हाथों लिया। पिछली सुनवाई के समय शीर्ष अदालत ने कहा था कि एलोपैथिक डॉक्टर गैरजरूरी और महंगी दवाइयां लिखते हैं। यह बात आईएमए अध्यक्ष आर वी अशोकन को अच्छी नहीं लगी, तो उन्होंने अदालती टिप्पणी को 'दुर्भाग्यपूर्ण' करार दिया था। ध्यान रहे, आईएमए ही पंतजलि आयुर्वेद के खिलाफ अदालत गया है, पर आईएमए भी बेदाग नहीं है।

गौर करने की बात है कि शीर्ष अदालत ने आईएमए के वकील से कह दिया है, ज्यादा गंभीर परिणामों के लिए तैयार रहें। मतलब, भ्रामक विज्ञापन प्रकरण में न केवल आयुर्वेद, बल्कि एलोपैथी की दुनिया को भी सबक लेने की जरूरत है। एलोपैथी को सफलतम व्यावहारिक उपचार विधि माना जाता है, पर यह नहीं मानना चाहिए कि वह सोलह आना सही है। आईएमए अध्यक्ष ने अहंकार और दुस्साहस का प्रदर्शन करते हुए यहां तक कह दिया था कि न्यायालय अस्पष्ट और अप्रासंगिक टिप्पणी कर रहा है और देश के चिकित्सा पेशे के खिलाफ व्यापक रुख अपनाना सर्वोच्च न्यायालय को शोभा नहीं देता है। जाहिर है, उनकी यह टिप्पणी बड़बोलापन भी है। हमने कोविड महामारी के समय ही देखा है कि किस तरह से चिकित्सा जगत में अफरा-तफरी का जानलेवा माहौल था। हर सांस का सौदा किया जा रहा था, मगर किसी अस्पताल या किसी चिकित्सक पर शायद ही आंच आई। गंभीर मरीजों पर नानाविध अपुष्ट प्रयोग किए गए और न जाने कितने मरीजों को अपनी मौत मरने के लिए छोड़ दिया गया। चिकित्सा क्षेत्र की कमियों का खमियाजा स्वयं चिकित्साकर्मियों ने भी बड़ी संख्या में भुगता था। एलोपैथी स्वयं को संत-सज्जन मानकर दूसरी चिकित्सा विधाओं को निशाना न बनाए, तो बेहतर है। सर्वोच्च न्यायालय ने भ्रामक विज्ञापन मामले का यथोचित विस्तार किया है। उन सभी उत्पादों की जांच होनी चाहिए, जो भ्रामक विज्ञापन जारी करते रहे हैं और जनता को धोखा देते रहे हैं। इसी से जुड़ा एक मामला कोविड वैक्सीन का है। ब्रिटिश दवा कंपनी एस्ट्राजेनेका ने स्वीकार किया है कि उसकी कोविड वैक्सीन दुष्प्रभाव पैदा कर सकती है। वैक्सीन निर्माता ने अदालत में कहा है कि कोविशील्ड ऐसी स्थिति पैदा कर सकता है, जिससे रक्त के थक्के जम सकते हैं और प्लेटलेट काउंट कम हो सकता है। ध्यान रहे, एस्ट्राजेनेका को ब्रिटेन में मुकदमे का सामना करना पड़ रहा है कि उसके टीके के चलते कई लोगों की जान गई है। भारत में किसी दवा कंपनी से मुआवजे के लिए कोई आगे नहीं आया है, पर ब्रिटेन के हाईकोर्ट में 51 मामलों में पीड़ित 10 करोड़ पाउंड तक के हर्जाने की मांग कर रहे हैं। कोरोनील का दावा निंदनीय है, पर कोविशील्ड का बचाव आईएमए भला कैसे करेगा?

नजरिया

अमेरिकी लेखक और पर्यावरणविद वेंडेल बेरी की एक तल्ख टिप्पणी आज बड़ी मौजूं है, 'लोगों को ऐसे खाद्य उद्योग द्वारा भोजन दिया जाता है, जो सेहत पर कोई ध्यान नहीं देता है ...और उनका इलाज ऐसे स्वास्थ्य उद्योग द्वारा किया जाता है, जो भोजन पर कोई ध्यान नहीं देता है।'

शिशु आहार से मसालों तक शिकायत

के श्रीनाथ रेड्डी, प्रोफेसर, जन स्वास्थ्य, पीएचएफआई

साफ शब्दों में कहें, तो खाद्य उद्योग लोगों की सेहत के प्रति और स्वास्थ्य उद्योग लोगों के पोषण के प्रति लापरवाह है। जो लोग जन स्वास्थ्य के महत्व को समझते हैं, वे पोषण का महत्व भी अच्छी तरह जानते हैं। ऐसे विशेषज्ञ सेहत पर मंडराते खतरों और खाद्य उद्योग की भूमिका को लेकर सतर्क हैं।

आजकल जैसे उत्पाद बाजार से हमारे निवाले तक पहुंच रहे हैं, उनको लेकर बड़ी चिंता जताई जा रही है। एक हालिया रिपोर्ट पर नाराजगी है कि नेस्ले कंपनी भारत और कई अन्य विकासशील देशों में ऐसे शिशु आहार बेच रही है, जिसमें यूरोप में बेचे जा रहे शिशु आहार की तुलना में शर्करा की मात्रा ज्यादा है। जब यह रिपोर्ट सामने आई, तब हांगकांग व सिंगापुर की नियामक एजेंसियों ने दो भारतीय कंपनियों के कुछ मसालों पर रोक लगा दी, इससे भी चिंता की लहर दौड़ गई।

नेस्ले के शिशु आहार (सेरेलैक) पर रिपोर्ट एक स्विस गैर-सरकारी संगठन पब्लिक आई द्वारा जारी की गई है, जिसने इंटरनेशनल बेबी फूड एक्शन नेटवर्क के साथ मिलकर यह शोध किया है। दरअसल, नेस्ले कंपनी मातृ-दूध का विकल्प पेश करने का दावा करती है। तमाम स्वास्थ्य अधिकारी जिंदगी के पहले छह महीनों तक केवल मां का दूध पिलाने की सलाह देते हैं, क्योंकि इससे आदर्श पोषक संरचना, प्रतिरक्षा बढ़ाने वाले गुण और बच्चे की आंत में एक स्वस्थ माइक्रोबायोम के विकास में मदद मिलती है। जो कंपनियां मातृ-दूध के विकल्प को बढ़ावा देकर व्यावसायिक अभियान चलाती हैं, वे दरअसल मां और शिशु के स्वास्थ्य संबंधी बुनियादी सोच को कमजोर करती हैं। कंपनियों ने प्रचार कर रखा है कि मां के दूध के बिना भी शिशु पोषण संभव है।

आखिर, यह शिशु आहार संबंधी विवाद क्यों है? क्या खाद्य उद्योग खाद्य पदार्थों में शर्करा की मात्रा बढ़ाते हुए स्वास्थ्य संबंधी खतरे की ओर से अपनी आंखें बंद कर ले रहा है? यदि हां, तो वह पश्चिमी यूरोप में ऐसा न करने को लेकर क्यों सावधान है? वह भारत सहित अनेक विकासशील देशों में ऐसा करने के लिए क्यों आजाद महसूस करता है? क्या ऐसा इसलिए है, क्योंकि राष्ट्रीय नियामक एजेंसियों की क्षमता में अंतर है? यूरोप की खाद्य नियामक एजेंसियां ज्यादा सतर्क हैं। वे खाद्य पदार्थों की कड़ाई से निगरानी करती हैं और कानूनों को सही ढंग से लागू करती हैं। यूरोपीय नियामक खाद्य सामग्रियों की स्वतंत्र जांच में सक्षम हैं और कार्रवाई करने के लिए भी ज्यादा स्वतंत्र हैं।

ध्यान रहे, शिशु आहार में उच्च शर्करा मोटापे की वजह बन सकती है। उच्च शर्करा की शिकायत आगे चलकर मधुमेह में बदल सकती है। चूंकि उच्च शर्करा का सेवन एक लत में बदल जाता है, तो बच्चा अधिक आहार की मांग करता है, जिससे शरीर में वसा की मात्रा बढ़ जाती है, जिससे कमजोर मांसपेशियों का विकास होता है। इससे एक चुस्त, सेहतमंद और आर्थिक रूप से उत्पादक पीढ़ी की उम्मीद धूल में मिल जाती है। यह वही पीढ़ी है, जो हमारे भविष्य की प्रगति की ध्वजवाहक बन सकती है।

यहां मसाला से जुड़ी कहानी अलग है। कथित तौर पर हांगकांग और सिंगापुर में नियामक एजेंसियों ने भारतीय मसालों में एथिलीन ऑक्साइड नाम का रासायनिक कैंसर कारक तत्व पाया है। इन दोनों देशों में प्रतिबंध के बाद, मीडिया ने बताया है कि सितंबर 2020 और अप्रैल 2024 के बीच यूरोपीय खाद्य सुरक्षा प्राधिकरण (ईएफएसए) ने 527 भारतीय खाद्य उत्पादों में इस रसायन का पता लगाया था। इसका उपयोग मसालों को सुगंधित बनाने के लिए भी किया जाता है। एथिलीन ऑक्साइड के संपर्क में आने से लिंफोमा और ल्यूकेमिया जैसे कैंसर हो सकते हैं। वैसे, पैकेट बंद मसालों को लेकर जो शिकायत आ रही है, उसके पीछे निर्माण की गलत विधि जिम्मेदार है। मसाला प्रसंस्करण का काम जहां होता है, वहां औद्योगिक रासायनों की माजूदगी एक वजह हो सकती है। दूसरी ओर, शिशु आहार की अगर बात करें, तो इसमें जान-बूझकर ज्यादा शर्करा तत्व मिलाए जा रहे हैं।

भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण कथित तौर पर सेरेलैक के भारतीय और अंतरराष्ट्रीय संस्करणों पर किए गए परीक्षणों की रिपोर्ट जुटाने की कोशिश कर रहा है। यह उन भारतीय मसाला ब्रांडों के देशव्यापी नमूने भी एकत्र कर रहा है, जिन्हें कुछ विदेशी नियामकों ने लाल झंडी दिखाई है। बेशक, मसालों की जांच सक्षम भारतीय प्रयोगशालाओं में की जाएगी, पर यह देखना चाहिए कि भारत में बने खाद्य उत्पादों की जांच के लिए पहले क्या-क्या उपाय किए गए हैं? क्या हमारी नियामक एजेंसियों के पास परीक्षण की तमाम जरूरी व्यवस्था है? हमें विदेशी संगठनों के खुलासे पर ही क्यों निर्भर रहना चाहिए या विदेशी नियामकों द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों से सतर्क क्यों रहना चाहिए? जब हम भारत में कुछ बनाते हैं, तो क्या उसकी सही जांच यहीं नहीं करनी चाहिए? हमारी नियामक एजेंसियों को उद्योग के प्रभाव या राजनीतिक दबावों का सामना करने में सक्षम बनाने की जरूरत है। खाद्य गुणवत्ता जांचने वालों को अधिक साधन संपन्न, सतर्क और अभेद्य होने की जरूरत है।

हमें अपनी नियामक एजेंसियों की कमान खाद्य उद्योग के ही पसंदीदा उदार या लचीले व्यक्तियों के हाथों में नहीं सौंपनी चाहिए। एजेंसी का मार्गदर्शन करने वाली तकनीकी सलाहकार समितियों में लचीले लोगों को शामिल करके एजेंसी पर कब्जा देने से बचना चाहिए। हालांकि, ऐसी नियुक्तियां अक्सर राजनीतिक फैसले पर आधारित होती हैं, पर नागरिक समाज को सुनिश्चित करना चाहिए कि नियामक एजेंसियां जन स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध रहें।

वैसे, ये चिंताएं केवल भारत के हिस्से नहीं हैं। पिछले दशक में कुछ पश्चिमी देशों ने उदारवादी राजनीतिक विचारधारा और उद्योग जगत के ज्यादा प्रभाव के चलते अपनी नियामक एजेंसियों को खत्म होते देखा है। ऐसे में, विकासशील देशों को नियामक दक्षता बनाए रखते हुए ज्यादा सतर्क रहना चाहिए। सेलिब्रिटी शेफ और लेखिका जूलिया चाइल्ड की चेतावनी पर गौर कीजिए, हमने यह सीखा है कि बड़ी कंपनियां कितनी ताकतवर, दखलंदाज, प्रभावशाली व आक्रामक हैं, और हमें सतत सतर्क रहना चाहिए।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

गहराते जल-संकट से जीवन एवं कृषि खतरे में

ललित गर्ग

मानवीय गतिविधियों और क्रिया-कलापों के कारण दुनिया का तापमान बढ़ रहा है और इससे जलवायु में होता जा रहा परिवर्तन अब मानव जीवन के हर पहलू के साथ जलाशयों एवं नदियों के लिए खतरा बन चुका है। जलवायु परिवर्तन का खतरनाक प्रभाव गंगा, सिंधु और ब्रह्मपुत्र सहित प्रमुख जलाशयों और नदी घाटियों में कुल जल भंडारण पर खतरनाक स्तर पर महसूस किया जा रहा है, जिससे लोगों को गंभीर जल परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। केंद्रीय जल आयोग के नवीनतम आंकड़े भारत में बढ़ते इसी जल संकट की गंभीरता को ही दर्शाते हैं। आंकड़े देश भर के जलाशयों के स्तर में आई चिंताजनक गिरावट की तस्वीर उकेरते हैं। रिपोर्ट के अनुसार 25 अप्रैल 2024 तक देश में प्रमुख जलाशयों में उपलब्ध पानी में उनकी भंडारण क्षमता के अनुपात में तीस से पैंतीस प्रतिशत की गिरावट आई है। जो हाल के वर्षों की तुलना में बड़ी गिरावट है। जो सूखे जैसी स्थिति की ओर इशारा करती है। जिसके मूल में अल नीनो घटनाक्रम का प्रभाव एवं वर्षा की कमी को बताया जा रहा है। जल के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। मानव एवं जीव-जन्तुओं के अलावा जल कृषि के सभी रूपों और अधिकांश औद्योगिक उत्पादन प्रक्रियाओं के लिये भी बेहद आवश्यक है। परंतु आज भारत गंभीर जल-संकट के साए में खड़ा है। अनियोजित औद्योगीकरण, बढ़ता प्रदूषण, घटते रेगिस्तान एवं ग्लेशियर, नदियों के जलस्तर में गिरावट, वर्षा की कमी, पर्यावरण विनाश, प्रकृति के शोषण और इनके दुरुपयोग के प्रति असंवेदनशीलता भारत को एक बड़े जल संकट की ओर ले जा रही है।

भारत भर में 150 प्रमुख जलाशयों में जल स्तर वर्तमान में 31 प्रतिशत है, दक्षिण भारत में सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्र है, जिसके 42 जलाशय वर्तमान में केवल 17 प्रतिशत क्षमता पर हैं। यह भारत के विभिन्न क्षेत्रों में देखी गई सबसे कम जल क्षमता का प्रतीक है। स्थिति अन्य क्षेत्रों में भी चिंताजनक है, पश्चिम में 34 प्रतिशत और उत्तर में 32.5 प्रतिशत जलाशय क्षमता है। हालाँकि, पूर्वी और मध्य भारत की स्थिति बेहतर हैं, उनके पास अपने जलाशयों की सक्रिय क्षमता का क्रमशः 40.6 प्रतिशत और 40 प्रतिशत है, पिछले वर्ष वर्षा कम थी, विशेष रूप से दक्षिण भारत में, 2023 का मानसून असमान था क्योंकि यह अल नीनो वर्ष भी था- एक जलवायु पैटर्न जो आम तौर पर इस क्षेत्र में गर्म और शुष्क परिस्थितियों का कारण बनता है। इससे काफी चिंता पैदा हुई है। वर्तमान में, सिंचाई भी प्रभावित हो रही है, और देश भर में पीने के पानी की उपलब्धता और जलविद्युत उत्पादन पर प्रभाव के बारे में चिंताएं बढ़ रही हैं। भविष्य को देखते हुए, आने वाले महीनों में और अधिक गर्मी पड़ने की आशंका है, जो दर्शाता है कि आने वाले दिनों में बड़ा जल संकट उभरने वाला है।

लंबे समय तक पर्याप्त बारिश न होने के कारण जल भंडारण में यह कमी आई है। जिसके चलते कई क्षेत्रों में सूखे जैसे और असुरक्षित हालात पैदा हो गये हैं। जिससे विभिन्न फसलों पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है। इसका एक कारण यह भी है कि देश की आधी कृषि योग्य भूमि आज भी मानसूनी बारिश के निर्भर है। ऐसे में सामान्य मानसून की स्थिति पर कृषि का भविष्य पूरी तरह निर्भर करता है। वास्तव में लगातार बढ़ती गर्मी के कारण जल स्तर में तेजी से गिरावट आ रही है। इसके गंभीर परिणामों के चलते आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और तमिलनाडु जैसे राज्यों में पानी की कमी ने गंभीर रूप धारण कर लिया है। देश का आईटी हब बेंगलुरु गंभीर जल संकट से जूझ रहा है। जिसका असर न केवल कृषि गतिविधियों पर पड़ रहा है बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी भी बुरी तरह प्रभावित हो रही है। ऐसे में किसी आसन्न संकट से निपटने के लिये जल संरक्षण के प्रयास घरों से लेकर तमाम कृषि पद्धतियों और औद्योगिक कार्यों तक में तेज करने की जरूरत है। जल भंडारण और वितरण दक्षता में सुधार के लिये पानी के बुनियादी ढांचे और प्रबंधन प्रणालियों में बड़े निवेश की तात्कालिक जरूरत भी है। इसके साथ ही जल संरक्षण की परंपरागत तकनीकों को भी बढ़ावा देने की जरूरत है। साथ ही आम लोगों को प्रकृति के इस बहुमूल्य संसाधन के विवेकपूर्ण उपयोग को बढ़ावा हेतु प्रेरित करने के लिए जनजागरण अभियान चलाने की जरूरत है।

पानी के संरक्षण और समुचित उपलब्धता को सुनिश्चित कर हम पर्यावरण को भी बेहतर कर सकते हैं तथा जलवायु परिवर्तन की समस्या का भी समाधान निकाल सकते हैं। आप सोच सकते हैं कि एक मनुष्य अपने जीवन काल में कितने पानी का उपयोग करता है, किंतु क्या वह इतने पानी को बचाने का प्रयास करता है? जलवायु परिवर्तन के कारण 2000 से बाढ़ की घटनाओं में 134 प्रतिशत वृद्धि हुई है और सूखे की अवधि में 29 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। पानी धरती पर जीवन के अस्तित्व के लिए आधारभूत आवश्यकता है। आबादी में वृद्धि के साथ पानी की खपत बेतहाशा बढ़ी है, लेकिन पृथ्वी पर साफ पानी की मात्रा कम हो रही है। जलवायु परिवर्तन और धरती के बढ़ते तापमान ने इस समस्या को गंभीर संकट बना दिया है। दुनिया के कई हिस्सों की तरह भारत भी जल संकट का सामना कर रहा है। वैश्विक जनसंख्या का 18 प्रतिशत हिस्सा भारत में निवास करता है, लेकिन चार प्रतिशत जल संसाधन ही हमें उपलब्ध है। भारत में जल-संकट की समस्या से निपटने के लिये प्राचीन समय से जो प्रयत्न किये गये है, उन्हीं प्रयत्नों को व्यापक स्तर पर अपनाने एवं जल-संरक्षण क्रांति को घटित करने की अपेक्षा है।

सदियों से निर्मल जल का स्त्रोत बनी रहीं नदियाँ प्रदूषित हो रही हैं, अब उन पर जलवायु परिवर्तन का घातक प्रभाव पड़ने लगा है। जल संचयन तंत्र बिगड़ रहा है, और भू-जल स्तर लगातार घट रहा है। धरती पर सुरक्षित और पीने के पानी के बहुत कम प्रतिशत के आंकलन के द्वारा जल संरक्षण या जल बचाओ अभियान हम सभी के लिये बहुत जरूरी हो चुका है। जल को बचाने में अधिक कार्यक्षमता लाने के लिये सभी औद्योगिक बिल्डिंगें, अपार्टमेंट्स, स्कूल, अस्पतालों आदि में बिल्डरों के द्वारा उचित जल प्रबंधन व्यवस्था को बढ़ावा देना चाहिये। देश के सात राज्यों के 8220 ग्राम पंचायतों में भूजल प्रबंधनों के लिए अटल भूजल योजना चल रही है। स्थानीय समुदायों के नेतृत्व में चलने वाला यह दुनिया का सबसे बड़ा कार्यक्रम है। साथ ही, नल से जल, नदियों की सफाई, अतिक्रमण हटाने जैसे प्रयास प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हो रहे हैं। हमारे यहां जल बचाने के मुख्य साधन हैं नदी, ताल एवं कूप। इन्हें अपनाओं, इनकी रक्षा करो, इन्हें अभय दो, इन्हें मरुस्थल के हवाले न करो। गाँव के स्तर पर लोगों के द्वारा बरसात के पानी को इकट्ठा करने की शुरुआत करनी चाहिये। उचित रख-रखाव के साथ छोटे या बड़े तालाबों को बनाकर या उनका जीर्णोद्धार करके बरसात के पानी को बचाया जा सकता है। धरती के क्षेत्रफल का लगभग 70 प्रतिशत भाग जल से भरा हुआ है। परंतु, पीने योग्य जल मात्र तीन प्रतिशत है। इसमें से भी मात्र एक प्रतिशत मीठे जल का ही वास्तव में हम उपयोग कर पाते हैं।

पानी का इस्तेमाल करते हुए हम पानी की बचत के बारे में जरा भी नहीं सोचते, जिसके परिणामस्वरूप अधिकांश जगहों पर जल संकट की स्थिति पैदा हो चुकी है। जल का संकट एवं विकट स्थितियां अति प्राचीन समय से बनी हुई है। इसी कारण राजस्थान, गुजरात, मध्यप्रदेश आदि प्रांतों में जल संरक्षण के लिये नाड़ी, तालाब, जोहड़, बन्धा, सागर, समंद एवं सरोवर आदि बनाने की प्राचीन परम्परा रही है। जहाँ प्रकृति एवं संस्कृति परस्पर एक दूसरे से समायोजित रही हैं। राजस्थान के किले तो वैसे ही प्रसिद्ध हैं पर इनका जल प्रबन्धन विशेष रूप से देखने योग्य है और अनुकरणीय भी हैं। जल संचयन की परम्परा वहाँ के सामाजिक ढाँचे से जुड़ी हुई हैं तथा जल के प्रति धार्मिक दृष्टिकोण के कारण ही प्राकृतिक जलस्त्रोतों को पूजा जाता है।

(ये लेखक के विचार हैं)

सख्ती से ही होगा नक्सलियों का सफाया.....

सुनील दास

छत्तीसगढ़ राज्य बनने के बाद से नक्सवाद गंभीर समस्या बना रहा है। क्योंकि इससे निपटने के लिए जिस सख्ती की जरूरत थी, वह सख्ती दिखाने से राज्य सरकारें हिचकती थीं। नक्सलवाद समस्या के समाधान के लिए साफ्ट तरीके काम में लाए जाते थे, उनको बात करने के लिए बुलाया जाता था, यह दिखाने की कोशिश ज्यादा की जाती थी कि देखो हम सख्ती से साथ नरमी भी बरत रहे हैं। नक्सलवाद के खिलाफ कम सख्ती व ज्यादा नरमी की वजह से जिस समस्या का समाधान बरसों पहले हो जाना था उसका समाधान आज तक नहीं हो सका है।

पहले की सरकारों के समाधान के तरीकों के कारण बस्तर में एक इलाका नक्सलियों का था, जो उनके लिए सुरक्षित था, वहां पुलिस व सुरक्षा बल के जवानों को भेजा नहीं जाता था।यह माना जाता था कि इस इलाके में सुरक्षा बलों को भेजे जाने पर उन पर हमला हो सकता है, वे मारे जा सकते हैं।माना तो जाता था कि जनहानि से बचने के लिए यह नीति अपनाई जाती थी, इसका परिणाम क्या हुआ कुछ इलाकों में नक्सली अपना राज चलाते रहे। कुछ इलाकों में सरकार का राज चलता था।

नक्सलियों के सफाए के लिए गंभीरता से प्रयास तो अमित शाह के गृहमंत्री बनने के बाद शुरु हुए। इसकी शुरुआत को अमित शाह ने भूपेश बघेल के समय ही कर दी थी।अमित शाह ने अफसरों से बात कर, उनको विश्वास में लेकर इस योजना पर काम किया कि नक्सलियों का सफाया कैसे हो सकता है। इसके लिए जरूरी था कि जिन इलाकों में नक्सलियों का प्रभाव है, आतंक है, दहशत है,उसे कम किया जाए। इसके लिए पूरे बस्तर में कैंप खोले गए। कैंप खुलते गए और नक्सलियों का प्रभाव कम होता गया। वह कमजोर होते गए। पूरे बस्तर में कैंप खुलने से उनके लिए कोई इलाका सुरक्षित नहीं रहा। साय सरकार के आते तक इतने कैंप खुल गए थे कि अब सुरक्षा बल के जवान कहीं पर भी नक्सलियों पर योजना पर हमला कर सकते थे।

पहले नक्सलियों की सूचना तक सुरक्षा बलों को नहीं मिलती थी, अब नक्सलियों के होने की पुख्ता सूचना मिलती है और योजना बनाकर उन पर उनके ही सुरक्षित इलाकों में हमला किया जाता है और हर बार नक्सलियों को भागने नहीं दिया जाता, मार गिराया जाता है, पहले नक्सली लाश लेकर भाग जाते थे, अब जवानों का हमला इतना तगड़ा रहता है कि वह लाश उठाकर नहीं ले जा पाते हैं। अब तक तीन बड़े हमले साय सरकार की बड़ी सफलता है, इससे बस्तर सहित राज्य के लोगों में उम्मीद बंधी है कि नक्सलियों का सफाया तो इसी तरह सख्ती से हो सकता है।

साय सरकार के समय एक माह में 97 नक्सली मारे जा चुक हैं। दो अप्रैल को बीजापुर क्षेत्र में पहली बार नौ नक्सली मारे गए थे। इसके बाद 16 अप्रैल को कांकेर क्षेत्र में अब तक सबसे ज्यादा 29 नक्सली मारे गए थे। इसके बाद 30 अप्रैल को नारायणपुर क्षेत्र में 10 नक्सली मारे गए हैं। पहले एक साल में इतने नक्सली नहीं मारे जाते थे, अब एक बार में जवान इतने नक्सली मार रहे है तो सरकार की नीति व नीयत के कारण संभव हो रहा है वरना यही जवान थे, जिन पर नक्सली जब चाहे जहां चाहे हमला कर उनको मार देते थे। हमेशा सुरक्षा बलों के जवानों पर नक्सली ही भारी पड़ते थे, क्योंकि नक्सलियों के सफाए की तब न नीति थी और नीयत थी, आज दोनों है और जवान वह काम कर पा रहे हैं जो वह पहले नहीं कर पाते थे।

इसका प्रभाव यह हुआ है कि अब नक्सलियों का सरेंडर करना बढ़ गया है। एक दो दिन पहले 23 नक्सलियों ने सरेंडर किया था, कल 16 नक्सलियों ने सरेंडर किया है। साय सरकार के समय इसी तरह नक्सली मारे जाते रहे और सरेंडर करते रहे तो निश्चित रूप से कहा जा सकता है कि बस्तर जल्द ही नक्सल मुक्त हो जाएगा।

(ये लेखक के विचार हैं)

हर साल जलने वाले जंगलों को भला कैसे बचाया जाए

एस पी सती, प्रोफेसर, वानिकी महाविद्यालय, रानीचौरी

शीतलता और हरियाली के प्रतीक माने जाने वाले जंगल इन दिनों धधक रहे हैं। उत्तराखंड के जंगलों में लगी आग अब इतनी विकराल हो चुकी है कि उन पर काबू पाने के लिए सेना को उतारना पड़ा है। ऐसा नहीं है कि दावानल की घटनाएं पहले नहीं होती थीं। सदियों से पहाड़ इसके गवाह रहे हैं। उत्तराखंड का इतिहास तो यह भी है कि 1920-21 में जब जंगलों पर लोगों के हक-हुकूक खत्म कर दिए गए, तब खुद लोगों ने ही आंदोलन के तहत वनों में आग लगा दिए थे। मगर अब तो हर साल दावाग्नि की समस्या विकराल रूप में सामने आने लगी है। इसकी कुछ खास वजहें हैं।

पहली वजह, जलवायु परिवर्तन के कारण 'ड्राई पीरियड' यानी सूखे की अवधि बढ़ गई है। तापमान बढ़ रहा है, जिसके कारण नमी कम हो रही है। नतीजतन, जंगलों में सूखी पत्तियां या टहनियां आसानी से दहक उठती हैं। वन विभाग के आंकड़े बता रहे हैं कि इस साल 1 जनवरी से लेकर 14 फरवरी के बीच जंगलों में आग लगने की 100 से अधिक बड़ी घटनाएं हुई हैं, जिसकी एक बड़ी वजह ड्राई पीरियड और तापमान-वृद्धि है। पहले यह अवधि छोटी होती थी, लेकिन अब जनवरी-फरवरी से लेकर मई-जून तक हम इसका एहसास करते हैं। दूसरी वजह है, सन् 1980 में वन (संरक्षण) कानून में किया गया वह प्रावधान, जिसके तहत पहाड़ों पर 1,000 मीटर ऊंचाई से ऊपर हरे पेड़ों की व्यावसायिक रूप से कटाई प्रतिबंधित कर दी गई। इसका नुकसान यह हुआ कि चीड़ के पेड़ों की संख्या असीमित बढ़ गई। चीड़ दरअसल ऐसा पेड़ है, जो आग बढ़ाने में सहायक माना जाता है। मार्च-अप्रैल से चीड़ की पत्तियां सूखकर नीचे गिरने लगती हैं और तापमान में वृद्धि होने पर आग के फैलाव का एक बड़ा कारण बनती हैं। बेशक, हरे पेड़ों की कटाई बंद होनी चाहिए, लेकिन ऐसा कोई प्रावधान तय करते समय हमें यह भी सोचना चाहिए कि किन पेड़ों की कटाई बंद होनी चाहिए और किनकी नहीं। ऐसा इसलिए, क्योंकि हर पेड़ की प्रकृति अलग होती है। चीड़ को अन्य पेड़ों के समान देखना एक गलत नजरिया साबित हुआ है।

तीसरी वजह है, जंगलों से लोगों का रिश्ता खत्म हो जाना। पहले लोगों का अपने आसपास के जंगलों से करीबी रिश्ता होता था। वे वनोपज से अपना गुजारा करते थे, इसके बदले में जंगलों का प्रबंधन किया करते थे। मगर सरकार ने जैसे ही जंगल अपने हाथों में लिया, लोगों ने खुद को इससे अलग कर लिया। इसके कारण वन बढ़ते हुए गांवों तक पहुंच गए, जो दावानल की चौथी वजह है। पहले जंगल को रोकने के तमाम उपाय अपनाए जाते थे, लेकिन अब अव्वल तो पहाड़ी गांवों में लोग रहते नहीं, और जो रहते हैं, उनके घरों में एलपीजी गैस आदि की सुविधा बढ़ने से जंगलों पर उनकी निर्भरता खत्म हो गई है। नतीजतन, वे वनों को नियंत्रित करने में खास रुचि नहीं रखते। इसी कारण जंगल की आग अब रिहायशी इलाकों तक पहुंचने लगी है और वनाग्नि की विकरालता काफी ज्यादा बढ़ गई है।

ऐसा नहीं है कि इस समस्या का समाधान नहीं निकल सकता। इसके लिए सबसे पहले मजबूत इच्छाशक्ति की दरकार है, फिर सही दिशा में कदम बढ़ाना होगा। सबसे पहले 1980 के वन (संरक्षण) कानून के प्रावधान ठीक करने होंगे। इसमें 1,000 मीटर की ऊंचाई के ऊपर हरे पेड़ों की कटाई संबंधी प्रतिबंध तत्काल खत्म किए जाने चाहिए। विशेषकर चीड़ के संबंध में तो इसे जरूर हटाना चाहिए और ऐसा प्रावधान करना चाहिए कि चीड़ की कटाई हो सके। इसके साथ-साथ गांव बसाने की तरफ भी ध्यान देना अनिवार्य है। गांवों में आबादी को इतना जागरूक करना ही होगा कि वे पहले की तरह जंगलों का प्रबंधन अपने हाथों में ले लें।

तीसरा रास्ता है, वन विभाग को सक्रिय बनाना। पहले यह विभाग जंगलों का प्रबंधन किया करता था, फिर इस पर वन-संरक्षण की जिम्मेदारी डाल दी गई। इसको प्रबंधन का अपना कर्तव्य निभाना चाहिए। अच्छी बात है कि सरकार अपने तईं कुछ प्रयास कर रही है, पर उसका खास असर नहीं पड़ रहा, इसलिए उसका बहुत फायदा नहीं दिखता। जाहिर है, हमें बुनियादी उपाय करने होंगे, तभी हम जंगलों को जलने से बचा पाएंगे।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE 93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

रमन (प्रा.) आई.टी.आई.
Recognised by: NCVT & DGT NEW DELHI, GOVT. OF INDIA
COPA
कोपा
STENOGRAPHER (Hindi)
स्टेनोग्राफर (हिन्दी)
योग्यता 10वीं उत्तीर्ण
(एक वर्षीय पाठ्यक्रम) - प्रवेश प्रारंभ
प्रवेश लेने पर फीस में विशेष छूट
एवं फीस मासिक किस्तों में
शासन द्वारा प्रदत्त छात्रवृत्ति योजना
Raman I.T.I. : बाबा दीप सिंह नगर (वैशालीनगर), भिलाई, जिला-दुर्ग, छ.ग.
Call : 0788-4033571, 7389471941, 0788-4903573 4903572, 7773027492

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में पर्याप्त मात्रा में पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करें - कलेक्टर

राजनांदगांव। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए पेयजल की समस्या न हो इसके लिए जिला कार्यालय के सभाकक्ष में अधिकारियों की बैठक ली। कलेक्टर अग्रवाल ने कहा कि गर्मी के मौसम के दृष्टिगत जनसामान्य को पेयजल पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध होना चाहिए। उन्होंने शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सभी अधिकारियों को समन्वित तरीके से कार्य करने कहा। उन्होंने पेयजल से संबंधित किसी भी प्रकार की समस्या का तत्काल निदान करने निर्देश दिए हैं। उन्होंने जिले के नगरीय निकाय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की उपलब्धता के संबंध में विस्तारपूर्वक चर्चा की तथा संबंधित अधिकारियों से जिले में स्थापित हैण्डपम्प एवं बोरवेल की जानकारी ली। उन्होंने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, जल संसाधन तथा नगरीय निकायों एवं जनपद पंचायतों के अधिकारियों को समन्वय बनाकर कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी ग्रामों एवं नगरीय निकायों में हैण्डपम्प और बोर चालू हालत में रहे। जिससे लोगों को पर्याप्त मात्रा में पेयजल मिल सके। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने पीएचई विभाग के अधिकारी को निर्देश दिये कि गांव में जाकर ग्रामीणों से चर्चा कर समस्या का समाधान करें। ऐसे ग्राम जहां पेयजल की समस्या आ रही है उसका चिन्हांकन कर निराकरण करने के लिए जनपद सीईओ को निर्देश दिए। उन्होंने सभी जनपद सीईओ को निर्देश दिए कि जिन ग्रामों में मोटर खराब हो गई, वॉल्व खराब हो गया उनका निराकरण करना सुनिश्चित करें।

मोतियाबिंद मुक्त बस्तर के लिए जल्द शुरू होगा तीसरा चरण, दो चरणों में 3412 मरीजों का किया इलाज

जगदलपुर। शासन-प्रशासन की मंशा प्रत्येक जरूरतमंद व्यक्ति को स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिले यह प्रमुख लक्ष्य रहा है, इसी के तहत बस्तर जिले में नेत्र से संबंधित बीमारी मोतियाबिंद से जिले को निजात दिलाने के लिए विगत वर्ष दो चरणों में सघन मोतियाबिंद जांच एवं उपचार अभियान संचालित किया गया। जिसमें जिले के कुल 3774 मोतियाबिंद पीड़ित मरीजों का चिन्हांकन कर 3712 मरीजों का ऑपरेशन किया गया। यही नहीं जिले में समीपवर्ती जिलों एवं अन्य क्षेत्रों के मरीजों को मिलाकर कुल 4198 मोतियाबिंद पीड़ित मरीजों का ऑपरेशन किया गया। राज्य स्तर से गत वर्ष जिले को मोतियाबिंद ऑपरेशन हेतु 4500 का लक्ष्य आबंटित किया गया था। जिसके विरुद्ध 4198 मरीजों का ऑपरेशन कर लाभान्वित किया गया। कलेक्टर विजय दयाराम के. के निर्देशानुसार जिले में अब पुन: मोतियाबिंद जांच एवं उपचार अभियान चलाया जाएगा। ज्ञात हो कि कलेक्टर द्वारा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को बस्तर जिले को मोतियाबिंद मुक्त जिला बनाने हेतु विशेष प्रयास करने के साथ ही नेत्र चिकित्सा के लिए स्थापित विशेष अस्पताल अंबक की सुविधाएं मरीजों को जरूरत के अनुसार प्रदान करने हेतु निर्देशित किया गया है। इस दिशा में स्वास्थ्य विभाग के समस्त कार्यकर्ताओं एवं मितानिनों को सघन सर्वे अभियान प्रारंभ कर नियमित रिर्पोटिंग करने के साथ ही संभावित मरीजों का सत्यापन कर मेडिकल कॉलेज अस्पताल डिमरापाल एवं जिला महारानी अस्पताल में स्थित अंबक अस्पताल में ऑपरेशन करवाने के लिए निर्देश दिये गए हैं। ऑपरेशन के लिए मरीजों को लाने एवं घर तक पहुंचाने हेतु नि:शुल्क आवागमन सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सीएम साय ने की खैरागढ़ गौशाला में होने वाले शोध की सराहना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उप मुख्यमंत्री अरूण साव व विजय शर्मा से मनोहर गौशाला खैरागढ़ के ट्रस्टी पदम डाकलिया (अखिल जैन) ने मुलाकात की। तीनों मंत्रियों ने गौशाला में हो रहे सराहनीय कार्य की सराहना की। साथ ही जल्द ही सपरिवार गौशाला भ्रमण पहुंचने का आश्वासन दिया।

लोकसभा चुनाव के बाद करेंगे भ्रमण

मुख्यमंत्री ने मनोहर गौशाला के ट्रस्टी को 40 मिनट तक अपना समय दिया। इस दौरान उन्होंने गौशाला से संबंधित पुस्तक को ध्यान से पढ़ा। साथ ही वहां होने वाले रिसर्च और कामधेनु माता के बारे में उत्सुकता से जानकारी ली। इस पर पदम डाकलिया ने उन्हें फसल अमृत, गौ अर्क सहित गौशाला में होने वाले रिसर्च और बनने वाले उत्पाद के बारे में बताया। मुख्यमंत्री ने लोकसभा चुनाव के बाद सपरिवार खैरागढ़ पहुंचकर गौशाला का अवलोकन करने का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री ने बताया कि उन्होंने अपने निवास पर दो गायें पाल रखी हैं, जिन्हें वे प्रतिदिन समय देते हैं। इस दौरान उन्हें गौशाला की तरफसे वैदिक साबुन, गोबर की माला, गोबर की गणेश प्रतिमा, गोबर के सिहासन, गोमूत्र अर्क, फसल अमृत भेंट की गई। इस मौके पर गौ सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष बिसेसर पटेल, जीव जंतु कल्याण बोर्ड भारत सरकार के डायरेक्टर सुनील मानसिंगा मौजूद थे।

डिप्टी सीएम 15 दिनों के भीतर पहुंचेंगे गौशाला

मनोहर गौशाला के ट्रस्टी ने डिप्टी सीएम विजय शर्मा व अरूण साव से भी अलग-अलग मुलाकात की। इस दौरान दोनों मंत्रियों ने करीब 20-20 मिनट का समय दिया।

शर्मा ने गौशाला के कार्यों की सराहना करते हुए 15 दिनों के भीतर खैरागढ़ पहुंचकर गौशाला के भ्रमण की बात कही। दोनों डिप्टी सीएम को भी गोबर से बनी मूर्ति, माला, अर्क, फसल अमृत भेंट की गई।

मोबाइल फ्लैश लाइट के साथ निकाली रैली, लोगों को मतदान करने किया जागरूक

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। मतदाता जागरूकता अभियान के तहत सिविक सेंटर भिलाई में फ्लैश लाइट मार्च निकल कर अधिकारी कर्मचारियों ने सारे काम छोड दो सबसे पहले वोट का नारा बुलंद किया। निगम भिलाई द्वारा जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देश पर स्वीप कार्यक्रम अन्तर्गत बुधवार की शाम सिविक सेंटर में एकत्र हुए । अधिकारी, कर्मचारी, समाज सेवी संस्था तथा आम नागरिकों ने अपने मोबाइल की लाईट जला कर रैली निकाली। लोगों को आगामी लोकसभा चुनाव के मतदान दिवस 7 मई को अपने घर से निकल कर मतदान करने की अपील की।

रैली में शामिल लोगो ने अपने हाथ में मतदान करना हेतु विभिन्न स्लोगन लिखे तख्ती लेकर चल रहे थे। रैली सिविक सेंटर का भ्रमण कर पार्किंग स्थल के पास गोल घेरे में खडे होकर सभी ने बिना भेदभाव,जाति,पंथ से उपर उठ कर निर्भिक होकर लोकतंत्र की मजबूती के लिए मतदान करने का शपथ लिया।

डॉक्टर विश्वनाथ पाणिग्राही द्वारा उपस्थित लोगों को हल्दी पीला चावल युक्त ' 'मतदान जरूर करें का नेवता पत्र वितरण किया इसके अतिरिक्त उनके द्वारा 16 भाषाओं में विशेष रूप से डिजाइन किया मतदान करने प्रेरित करने लिखित तख्तीयों का प्रदर्शन भी किया गया। रैली में जोन आयुक्त अमिताभ शर्मा,सुशील चौधरी, विनिता वर्मा, रीता चतुर्वेदी, अजय शुक्ला,संजय शर्मा आदि लोग उपस्थित थे।

वोट डालने के बाद पत्रकारों ने कहा 'हमने तो मतदान कर दिया, अब आपकी बारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। भारत निर्वाचन आयोग ने पहली बार मीडिया कर्मियों को भी डाक मतपत्र से मतदान करने की सुविधा मुहैया कराया है। दुर्ग जिले के वरिष्ठ पत्रकार पवन देवांगन, धनेंद्र सिंह चंदेल, अशोक पंडा और इलेक्ट्रानिक मीडिया प्रतिनिधि रघुनंदन पंडा और अनिल पंडा ने भिलाई इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (बीआईटी) में जिला प्रशासन द्वारा मतदान हेतु बनाये गये सुविधा केन्द्र में अपने मताधिकार का प्रयोग किये।

उन्होंने लोगों को संदेश दिया कि हमने अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर लिया, अब आप लोगों की बारी है। पत्रकार बंधुओं ने लोकसभा निर्वाचन अंतर्गत 7 मई मतदान तिथि को अधिक से अधिक लोगों से अपने मतदान केन्द्र में जाकर मतदान करने की अपील की है। अभी तक सरकारी महकमे के वे लोग ही डाक मतपत्रों से अपने मताधिकार का उपयोग करते थे, जिनकी चुनाव में ड्यूटी लगी हो, या फिर सुरक्षा बल में कार्यरत हो। लेकिन इस बार निर्वाचन आयोग ने लोकतंत्र के चौथे प्रहरी मीडिया कर्मियों को भी इस दायरे में लाकर सुविधा देने का अभिनव पहल किया है। इसी कड़ी में जिन पत्रकारों को चुनाव आयोग ने निर्वाचन कार्यों की रिपोर्टिंग के लिए प्राधिकार पत्र जारी किया है। साथ ही जिन्होंने डाक मतपत्र से मतदान हेतु निर्धारित अवधि तक प्रारूप-12डी भरकर प्रस्तुत किये है, उन्हें डाक मतपत्र से मतदान करने की सुविधा दी है। अब मतदान के दिन ये लोग अपना वोट डालने की चिंता छोड़कर आम चुनाव का वृहत कवरेज कर सकेंगे। सभी ने निर्वाचन आयोग के इस पहल का भूरी-भूरी प्रशंसा की है।

बृजमोहन के रोड शो में उमड़ा जनसैलाब

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक जीतकर दर्ज करने वाले रायपुर दक्षिण के विधायक बृजमोहन अग्रवाल ने बुधवार को अपनी विधानसभा क्षेत्र रायपुर दक्षिण में रोड शो कर जनता से लोकसभा चुनाव में एक बार फिर से इतिहास दोहराने की बात कही। रायपुर लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी बृजमोहन अग्रवाल ने बुधवार को राजधानी रायपुर दक्षिण में रोड शो कर जनता से समर्थन मांगा। आज का रोड शो लाखे नगर मंडल, पुरानी बस्ती मंडल, सदर मंडल, सिविल लाइन मंडल के विभिन्न क्षेत्रों में किया गया।

इस दौरान जगह जगह पुष्पवर्षा, माला पहनाकर और जोरदार आतिशबाजी कर बृजमोहन अग्रवाल का स्वागत किया गया। आज ही जननायक का जन्मदिन होने के कारण स्थानीय जनता की खुशी कई गुना बढ़ गई थी। बृजमोहन अग्रवाल ने भी जनता को निराश नहीं किया और जगह जगह उनको संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि यह रायपुर दक्षिण की जनता का प्यार ही है कि लगातार आठ बार से वह यहां से विधायक चुने गए हैं और पांच बार मंत्री भी बने हैं उन्होंने कहा कि मैं जो कुछ भी हूं अपनी जनता के कारण ही हूं। मैं कोई चुनाव नहीं लड़ता मेरा चुनाव जनता लड़ती है। उन्होंने कहा कि आपकी मेहनत का ही नतीजा है कि आज हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुझे लोकसभा चुनाव में उतारकर दिल्ली में रायपुर का प्रतिनिधित्व करने का मौका दिया है। मुझे पूरी उम्मीद है कि इस बार भी रायपुर की जनता की विजय होगी और दिल्ली में रायपुर का डंका बजेगा।

रोड शो की शुरुआत बाजार चौक चांगोरभाटा से हुई जहां से बृजमोहन अग्रवाल और पार्टी वरिष्ठजन, पार्षद और हजारों कार्यकर्ता सामुदायिक भवन, बिजली ऑफिस चौक, शीतल तालाब, झंडा चौक, शिव नगर चौक, पंचमुखी हनुमान मंदिर, कुशालपुर अंडर ब्रिज, पहाड़ी तालाब, तिरंगा चौक, होते हुए दंतेश्वरी मंदिर कुशालपुर पहुंचे। यहां से पंकज गार्डन, तुरी हटरी, लोहार चौक, लीली चौक, अवधिया चौक, सत्यनारायण मंदिर, आजाद चौक, कंकाली हॉस्पिटल, पुरानी बस्ती थाना, महामाया मंदिर, कुकरी पारा, दूधाधारी मंदिर, बजरंग चौक आदर्श चौक, विवेकानंद परिसर चौक, बूढ़ीमाइ चौक, गोवर्धन चौक, मरीन ड्राइव होते हुए नेताजी चौक पहुंचे जहां रोड शो का समापन हुआ।

बृजमोहन ने कार्यकर्ताओं-शुभचिंतकों संग मनाया जन्मदिन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मजदूर दिवस के दिन जनसेवा में लगे रहने वाले जननेता मंत्री बृजमोहन अग्रवाल का जन्मदिन है। बीती रात से ही उनके निवास पर जन्मदिन की बधाई देने भाजपा कार्यकर्ताओं, उन्हें चाहने वाले नागरिकों, पारिवारिक लोगों का तांता लगा रहा।

इस दौरान दर्जनों केक काटे गए। भाजपा प्रदेश कार्यालय प्रभारी तरल सोलंकी की तरफसे 65 केक कटवाए गए। मिठाईयां बांटी गई और बृजमोहन अग्रवाल को बधाईयां दी जाती रही। इतना ही नहीं बृजमोहन अग्रवाल के चाहने वालों ने राजधानी रायपुर में जगह जगह विशेष आयोजन किए। चंगोराभाठा में बृजमोहन अग्रवाल को लड्डुओं से तौला गया। तो वहीं सिविल लाइन मंडल के अंतर्गत पं. भगवती चरण वार्ड के बैरनबाजार हनुमान मंदिर के पास बृजमोहन अग्रवाल के जन्मदिन पर शरबत वितरण किया गया। भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य संजू नारायण सिंह ठाकुर के नेतृत्व में आकाशवाणी काली मंदिर में उनकी दीर्घायु जीवन के लिए हवन पूजन किया गया।

ग्रामीण क्षेत्रो में स्वीप की गतिविधियां निरंतर जारी

कोरबा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अजीत वसंत के निर्देशन एवं स्वीप नोडल अधिकारी संबित मिश्रा सीईओ मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत के मार्गदर्शन में लोकसभा निर्वाचन 2024 के दौरान शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में युवा, महिला, पुरूष सहित स्कूल-कॉलेजों के छात्र-छात्राओं द्वारा लोगों को मतदान के प्रति जागरूक करने हेतु नुक्कड़-नाटक, रैली, नारा-लेखन, निबंध, भाषण, मेहंदी प्रतियोगिता, पोस्टर निर्माण जैसे अनेक कार्यक्रमों के माध्यम से शत-प्रतिशत मतदाताओं को जागरूक किया जा रहा है। इसी कड़ी में जनपद पंचायत कटघोरा में स्कूली छात्र-छात्राओं, शिक्षक-शिक्षिकाओं सहित ग्रामीणों ने गांव में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के तहत जागरूकता रैली निकालकर अनिवार्य मतदान का संदेश दिया। ग्राम पंचायत मलगांव, छुरीखुर्द एवं छिंदपुर ग्रामीण महिला-पुरूषों के द्वारा मतदान जागरूकता रैली निकालकर शत-प्रतिशत मतदान के लिए ग्रामीणों को प्रेरित किया।

बेहतर जनप्रतिनिधि चुनने का अवसर देता है मतदान: कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कलेक्टर व जिला निर्वाचन अधिकारी अजीत वसंत एवं सीईओ जिला पंचायत व स्वीप नोडल अधिकारी संबित मिश्रा के निर्देशन में पाली विकासखण्ड मुख्यालय में मतदाता जागरूकता, बाइक रैली, रंगोली, मेंहदी, नुक्कड़-नाटक,सामूहिक गीत कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस दौरान पाली के आम नागरिकों और शासकीय अधिकारियो-कर्मचारियों द्वारा पाली-केराझरिया, पोड़ी तक बाइक रैली निकालकर आम मतदाताओं को मतदान दिवस में मतदान करने की अपील की गई। बाइक रैली में विभिन्न स्लोगन और संदेशों के माध्यम से मतदाताओं को मतदान का महत्व बताते हुए अपने अधिकार का उपयोग करने कहा गया। उन्होंने उपस्थित सभी लोगों को निष्पक्ष मतदान के लिए शपथ दिलाई।

पाली के हाईस्कूल मैदान में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उपस्थित ग्रामीण महिलाओं, महिला एवं बाल विकास विभाग की आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, शासकीय अधिकारियों-कर्मचारियों आमनागरिकों को कलेक्टर वसंत ने शपथ भी दिलाई। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को कलेक्टर ने संबोधित करते हुए कहा कि वोट डालने का अधिकार हमें संविधान से मिला है। हम भले ही पांच साल में एक बार मतदान करते हैं, लेकिन एक बार का मतदान हमें अपने क्षेत्र के विकास के लिए पांच साल तक बेहतर जनप्रतिनिधि चुनने का अवसर देता है, इसलिए आप सभी अपने मताधिकार का सही इस्तेमाल कर पसंद के उम्मीदवार को चुने।

कलेक्टर ने कहा कि 7 मई को सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक मतदान है। इस दिन भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मान्य परिचय पत्र लेकर संबधित मतदान केंद्र अवश्य जाएं और वोट डालकर आएं। कलेक्टर वसंत ने बताया कि वे भी हमेशा मतदान करते हैं, इस बार भी अपना कीमती वोट डालेंगे। आप सभी मतदाता है, आप अपना मत जरूर दें और अपने आसपास के मतदाताओं को भी वोट का महत्व बताते हुए उन्हें प्रेरित करें। उन्होंने लोकसभा चुनाव में सभी की भागीदारी सुनिश्चित करने और लोकतंत्र को मजबूत बनाने की अपील आम मतदाताओं से की। कार्यक्रम में जिला पंचायत सीईओ संबित मिश्रा ने कहा कि लोकतंत्र का यह पर्व आप सभी को इसमें बढ़-चढकर शामिल होने के लिए आमंत्रित कर रहा है। आप सभी ठान लें कि 7 मई के दिन हमें घर से निकलना है और पास के मतदान केंद्र में जाकर कीमती वोट डालना है।

उन्होंने स्वीप के माध्यम से किए जा रहे कार्यक्रम के विषय में कहा कि इसका मुख्य उद्देश्य आप सभी को जागरूक करने के साथ यह भी बताना है कि आप भी अपने आसपास के लोगों को मतदान के लिए प्रेरित कर सकें। पाली हाईसकूल में आयोजित रैली एवं अन्य कार्यक्रम में स्वामी आत्मानंद विद्यालय के विद्यार्थियों तथा शिक्षिकाओं ने आकर्षक रंगोली बनाकर, हाथों में मेंहदी रचाकर मतदाताओं को जागरूक करने का काम किया। इस दौरान यहां के विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक और गीत प्रस्तुत करके मतदान का महत्व बताया।

कलेक्टर ने आकाश में गुब्बारे छोड़कर मतदाता जागरूकता का संदेश दिया। रैली में एसडीएम पाली रूचि शार्दुल, जनपद सीईओ भूपेन्द्र सोनवानी, बीईओ श्यामानंद साहू, नायब तहसीलदार सुनील गुप्ता, राशिका अग्रवाल, सीडीपीओ प्रतिभा पाण्डेय, सीएमओ पूर्णेन्दू तिवारी सहित विभिन्न विभागों के खंड व पंचायत स्तरीय अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales
8959493000
A Leela Electronics
9425507772
Reena Electronics
9329132299
Shree Electronics
7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

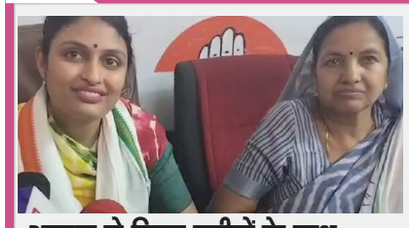

भाजपा ने किया गरीबों के साथ छलावा, राशनकार्ड के चांवल में की गई कटौती- संजना

रायपुर (ए.)। छत्तीसगढ़ की भूपेश बघेल की सरकार के समय प्राथमिकता हितग्राही वाले परिवारों को न्यूनतम 35 किलो राशन दिया जाता था। लेकिन, नया राशन कार्ड कुछ और ही इशारा कर रहा हैं। नया राशन कार्ड के ऊपर प्रधानमंत्री की फोटो लगी हैं। इसके पिछले कवर पर निर्देशों की कंडिका को देख कर मालूम होता हैं कि, राशन के न्यूनतम कोटा जो 35 किलो होता था। इसकी सीमा को समाप्त कर परिवार के सदस्यों की संख्या के आधार पर राशन आबंटित किया जाएगा। नए राशन कार्ड के अनुसार परिवार के प्रति सदस्य को 5 किलो के आधार पर राशन दिया जाएगा।

इसे लेकर रायपुर लोकसभा क्षेत्र के कांग्रेस प्रत्याशी विकास उपाध्याय की धर्मपत्नी श्रीमती संजना उपाध्याय ने कांग्रेस भवन नेवरा में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा है कि, भाजपा की सरकार झूठ का पुलिंदा है। भाजपा द्वारा नया राशन कार्ड बनाया गया है जिसमे चांवल में कटौती कर दी गई है। प्रति व्यक्ति 10 किलो की जगह अब प्रति व्यक्ति 5 किलो चांवल दिया जाएगा। जनता पहले ही महंगाई की मार झेल रही है। राशन में कटौती कर भाजपा ने बड़ा झटका दिया है। महिलाओ की भीड़ बता रही है की कांग्रेस की महतारी न्याय ग्यारंटी योजना में महिलाओ का काफी उत्साह है वे बढ़-चढ़ कर फॉर्म भर रहे हैं।

रेल संरक्षा के सजग प्रहरियों को महाप्रबंधक ने सम्मानित किया

रायपुर (ए.)। रेल परिचालन में संरक्षा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सजगता एवं बेहतर संरक्षा कार्य में सहभागिता निभाने वाले रेल संरक्षा के सजग प्रहरी

कर्मचारियों का सम्मान महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा हर माह आयोजित संरक्षा बैठक के दौरान किया जाता है। इसी कड़ी में 1 मई को रायपुर एवं नागपुर मंडल में कार्यरत संरक्षा कोटि के 2 कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट एवं सराहनीय संरक्षा सबंधी कार्य निष्पादन के लिए महाप्रबंधक विजय कुमार साहू ने सम्मानित किया। रायपुर रेल मंडल के भिलाई स्टेशन में कार्यरत मालगाड़ी प्रबंधक, डी. आशीष राव ने 10 अप्रैल को अपने ड्यूटी के दौरान मालगाड़ी से एक दूसरी ट्रेन मे एक खराबी को देखा। जिसमे कि उस ट्रेन के एक वैगन के पहिया के हिस्से में दरार को देखा एवं इसकी सूचना स्टेशन मास्टर को दी गयी। उन्होने ने वैगन के उस टूटे हुए हिस्से का फोटो तत्काल उच्च अधिकारियों को भेजा। जिसकी वजह से समय रहते उस खराबी का उचित समाधान किया गया अन्यथा इसकी वजह से बड़ी दुर्घटना हो सकती थी। आशीष राव के तत्परता एवं सतर्कता से ट्रेन परिचालन में संरक्षा सुनिश्चित हुई। इसी प्रकार नागपुर रेल मंडल के गोंदिया स्टेशन में कार्यरत मालगाड़ी प्रबंधक मन मोहन सैनी ने 18 मार्च को मालगाड़ी से लाइन नं.-6 में कन्हान स्टेशन यार्ड मे प्रवेश कर रही थी, इसी दौरान मन मोहन सैनी, मालगाड़ी प्रबंधक/गोंदिया ने लाइन नंबर 7 पर एक रेल फ्रैक्चर को देखा और इसकी सूचना उन्होने तुरंत वहाँ कार्यरत स्टेशन मास्टर को दी। तत्पश्चात, ऑन ड्यूटी पोर्टर स्टाफको भौतिक सत्यापन के लिए भेजा गया और टूटी हुई फिश प्लेट की पुष्टि हुई। उपरोक्त घटना की सूचना सभी संबंधित विभागों को दी गई जिसके फलस्वरूप रेल फैक्चर को दुरुस्त कर सुरक्षित रेल परिचालन को बहाल किया गया। इस प्रकार मन मोहन सैनी के सूझबूझ एवं सतर्कता से ट्रेन परिचालन में संरक्षा सुनिश्चित हुई। संरक्षा कोटि के दोनों कर्मचारियों को सम्मानित किए जाने के अवसर पर प्रधान मुख्य संरक्षा अधिकारी, अन्य विभागाध्यक्ष सहित अधिकारीगण उपस्थित थे।

मजदूर दिवस पर विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन

रायपुर। डॉ. भीमराव अंबेडकर स्मृति चिकित्सालय स्थित मॉडल ब्लड बैंक सेंटर एवं छत्तीसगढ़ सेल्स प्रमोशन सप्लाई यूनियन के संयुक्त तत्वावधान में मजदूर दिवस के अवसर पर बुधवार को रायपुर में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस रक्तदान शिविर में 54 यूनिट रक्त संग्रह किया गया। छत्तीसगढ़ सेल्स प्रमोशन सप्लाई यूनियन की तरफ से रायपुर कैंप का कार्यभार मनीष और मॉडल ब्लड (बैंक) सेंटर की तरफ से डॉ. अविरल मिश्रा की निगरानी में संपन्न हुआ।

निगम का मतदान दलों को भोजन का पैकेट देने के साथ लू से बचाने नींबू पानी पिलाने की योजना

नगरीय निकाय के मुख्य अभियंता ने देखी शहर की सफाई व्यवस्था

रायपुर (ए.)। नगरीय निकाय विभाग के मुख्य कार्यपालन अभियंता यू के ढालेंद्र ने चन्दनडीह एसटीपी, सरोना ट्रेंचिग ग्राउंड के साथ ही शहर के भीतर गीला और सूखा कचरा अलग-अलग लेने के कार्य का निरीक्षण किया। ज्यादातर जगहों पर चल रहे कार्यों से वे संतुष्ट दिखे। वहीं कुछ दिशा निर्देश भी दिये।

उनके साथ रायपुर नगर निगम के कार्यपालन अभियंता द्वय रघुमणि प्रधान तथा योगेश कडू भी मौजूद थे। श्री ढालेंद्र ने सबसे पहले चन्दनडीह एसटीपी का अवलोकन किया। इसके बाद वे सरोना ट्रेंचिग ग्राउंड का निरीक्षण करने पहुंचे। उन्होंने यहां के कचरे का जल्द से जल्द निपटाने के निर्देश दिए। तदुपरांत उन्होंने सुंदर नगर के ओम सोसायटी में सूखा और गीला कचरा अलग-अलग लेने के कार्य का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि शहर के हर घर से सूखा और गीला कचरा अलग-अलग लिया जाए।

जिससे इनका सही तरीके से सेग्रिगेशन हो सके। इस दौरान शहर भर में गीला और सूखा कचरा कलेक्शन के कार्यों का निगम के स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. तृप्ति पाणिग्रही ने श्री ढालेंद्र ने अवगत कराया। इसके बाद उन्होंने देवेन्द्र नगर के नारायणा सेकेंडरी कचरा

कलेक्शन पॉइंट का अवलोकन किया। यहां उन्होंने कहा कि कार्य संतोषजनक है। किंतु ऐसी व्यवस्था की जाए कि यहां सूखा और गीला कचरा अलग-अलग होकर ही आए। इसके बाद उन्होंने सकरी कचरा कलेक्शन सेंटर में चल रहे कार्यों का भी अवलोकन किया।

मतदान दलों को नींबू पानी पिलाने की योजना

रायपुर नगर निगम द्वारा मतदान दलों को भोजन का पैकेट देने के साथ लू से बचाने नींबू पानी पिलाने की योजना बनाई गई है। इसके लिए अधिकारियों को जिम्मेदारी देकर रूपरेखा तैयार की जा रही है। निगम कमिश्रर अबिनाश मिश्रा के निर्देश पर निगम क्षेत्र के 750 बूथों में मतदान दलों को भोजन पैकेट देने की तैयारी पहले ही कर ली गई है। अब वहां नींबू पानी बाटने की भी योजना बनाई जा रही है जिससे मतदान दलों को गर्मी से राहत मिले। साथ ही लू से भी बचाव हो सके। इसके व्यवस्था करने के लिए अधिकारियों की जिम्मेदारी दी जा रही है। पांच या पांच से अधिक मतदान केंद्र वाली जगहों पर अलग-अलग लोगों की ड्यूटी लगाई जाएगी। वहीं पांच से कम मतदान केंद्रों वाली जगहों में आसपास के 5 मतदान केंद्रों वाले अधिकारियों को वहां का भी जिम्मा दिया जाएगा। साथ हर जगह निगम कर्मी मौजूद रहेंगे। 6 और 7 मई को मतदान दलों को भोजन का पैकेट भी निगम द्वारा दिया जाएगा।

हुनरमंदों ने दी प्रस्तुति, दर्शकों ने उठाया आनंद

रायपुर (ए.)। पूज्य सिंधी पंचायत न्यू राजेंद्र नगर, अमलीडीह, महावीर नगर रायपुर एवं लायंस क्लब रायपुर के तत्वाधान में विधान सभा रोड स्थित अंबुजा सिटी सेंटर मॉल में टैलेंट का महायुद्ध कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें रायपुर शहर के कोने कोने से कार्यक्रम में पहुंचे हुनरमंदो ने अपनी अद्भुत हुनर की प्रस्तुति दी। जिसका दर्शकों ने खूब आनंद उठाया।

अंबुजा मॉल में अपार जनसमूह की उपस्थिति में मुख्य रूप से गायन, नृत्य, किड्स फैशन शो, व्यंजन प्रतियोगिता एवं रैंप शो के प्रतिभागियों की अनोखी प्रस्तुति ने कार्यक्रम में धूम मचाया। कलिंगा यूनिवर्सिटी से पहुंचे विद्यार्थियों ने अपने आकर्षक एवं अद्वितीय रैंप शो के माध्यम से दर्शकों का दिल जीत लिया। सभी वर्गों के विजेता प्रतिभागियों को अंत में विशेष पुरुस्कारों से सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अथिथि योगेश अग्रवाल विशिष्ट अथिति डॉ. संदीप गांधी जज के रूप मे डॉ सायुँकता गांधी, स्मिता पाण्डे, डॉ. नीता शर्मा, मोनिता साहू आदि रहे। कार्यक्रम का संचालन आयोजक अनिल जोतसिंघानी ने किया।

पानी नहीं तो वोट नहीं, बूंद-बूंद पानी को तरसे लोग

रायपुर (ए.)। राजधानी रायपुर से सटे परसूलीडीह स्थित हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में भारी जलसंकट का सामना करना पड़ रहा है। बताया जा रहा है कि पिछले कई दिनों घरों में पानी नहीं पहुंच रहा है। इसकी वजह से कॉलोनीवासी सड़क जाम कर प्रदर्शन कर रहे हैं। मिली जानकारी के अनुसार, स्थानीय लोगों का कहना है कि, जलकर के रूप में हर माह भुगतान करने के बाद भी उन्हें भीषण गर्मी में जलसंकट की स्थिति से जूझना पड़ रहा है। पानी की व्यवस्था किए जाने की एक हफ्ते पहले ही अधिकारियों के द्वारा आश्वासन मिलने पर प्रदर्शन खत्म कर दिया गया था, लेकिन अब तक पानी नहीं मिला जिसके वजह से फिर से प्रदर्शन शुरू किया गया। लगभग 500 घरों में पानी नहीं पहुंचा है। स्थानीय लोगों ने कहा कि पानी नही मिलने पर चुनाव बहिष्कार करेंगे। धरने पर बैठे लोगों की यही है मांग है कि पानी नहीं तो वोट नहीं।

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स व यू-ट्यूबर्स कलेक्टर से मिले

7 मई को सभी को मतदान के लिए प्रेरित करने का लिया संकल्प

रायपुर (ए.)। शहर में सोशल मीडिया के माध्यम से आम मतदाताओं को 7 मई को मतदान के लिए प्रेरित करने सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स व यू-ट्यूबर्स से जुड़े युवा अपनी भागीदारी देंगे। इस प्रस्ताव के साथ आज इन्होंने कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. गौरव कुमार सिंह से मुलाकात की एवं मतदान केन्द्रों में इस बार मतदाताओं के लिए उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। नगर निगम कमिश्नर अबिनाश मिश्रा व स्वीप कार्यक्रम के जिला नोडल अधिकारी विश्वदीप भी साथ थे।

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स व यू-ट्यूबर्स से चर्चा करते हुए कलेक्टर डॉ. सिंह ने कहा कि लोकतंत्र में मतदान के प्रति जागरूक करना एवं देश की प्रगति के लिए मतदान करना सभी का दायित्व है। पिछले निर्वाचन के आंकड़ों पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि रायपुर में 6 लाख 7 हजार 646 मतदाता मतदान हेतु नहीं जाते, इन आंकड़ों में किसी भी परिचित, रिश्तेदार, पड़ोसी का नाम न रहें, यह सुनिश्चित करने में सोशल मीडिया उपयोगी है। उन्होंने कहा कि सब मिलकर यह सुनिश्चित करें कि मतदान तिथि 07 मई को इस बार सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक निर्धारित अवधि में सबसे पहले मतदान कर हर मतदाता अपनी जिम्मेदारी निभाएं। उन्होंने यह भी बताया कि मतदाताओं की सुविधा हेतु कई नवाचार इस बार रायपुर के मतदान केन्द्रों में किए गए है। शुद्ध पेयजल, नींबू पानी, चिकित्सा दल भी मतदान केन्द्रों में उपलब्ध रहेंगे, साथ ही ग्रीष्म ऋतु को देखते हुए आवश्यकतानुसार पंडाल की व्यवस्था भी इन केन्द्रों में होगी। उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से मतदाताओं से आह्वान किया है कि रायपुर जिले में मतदाताओं को उनके मतदान केन्द्रों में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी सीधे तौर पर प्रदान करने के लिए 05 मई को अपने बूथ को जानों कार्यक्रम के तहत उनके मतदान केन्द्र में आमंत्रित किया गया है, अत: सभी मतदाता 05 मई को अपने मतदान केन्द्र जाकर सुविधाओं की जानकारी लें और 07 मई को अपने परिचितों, रिश्तेदारों के साथ मतदान कर चुनाव के पर्व को देश के पर्व के रूप में प्रतिष्ठित करें। सोशल मीडिया से जुड़े युवाओं ने रायपुर जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा की गए प्रबंधों को सराहा एवं अपने हैंडल्स के माध्यम से अधिकाधिक लोगों तक पहुंच सुनिश्चित कर सभी को मतदान हेतु प्रेरित करने का संकल्प दोहराया।

बोरे-बासी खाकर सीएम ने मनाया मजदूर दिवस

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एक मई को श्रमिक दिवस पर राजधानी के गांधी चौक में आयोजित कामगारों का सम्मान समारोह में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने श्रमिकों के साथ बोरे बासी का स्वाद चखा। सीएम साय ने श्रमिक दिवस की सभी श्रमिकों को शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने कहा कि मजदूर दिवस पर श्रमिकों के साथ भोजन करने का मौका मिला है। सीएम साय ने समारोह में संबंधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में दो साल राज्य श्रममंत्री के रूप में काम किया। इस अवसर पर विधायक मोतीलाल साहू, अनुज शर्मा, पुरंदर मिश्रा और कवि सुरेन्द्र दुबे समेत अन्य भाजपा नेता-कार्यकर्त्ता समेत श्रमिक शामिल थे।

कोई भी प्रयास छोटा हो या बड़ा वह मूल्यवान होता है

महिलाओं को किया सम्मानित, हौसलों को लगे नए पंख

रायपुर (ए.)। रविवार की रात्रि एक भव्य व गरिमामय कार्यक्रम मे प्रदेश की सामाजिक संस्था वक्ता मंच द्वारा विविध क्षेत्रों मे बेहतर कार्य कर रही 100 महिला प्रतिभाओं का राजधानी के वृंदावन सभागृह में सम्मान किया गया। महिला प्रतिभाओं ने कहा कि इस सम्मान से उनके हौंसलों को नये पंख लगे है। वक्ता मंच के अध्यक्ष राजेश पराते ने जानकारी दी है कि खेल, योग, शिक्षा, कला, प्रशासन, पुलिसिंग, चिकित्सा, इंजीनियरिंग, अभिनय, नृत्य, संगीत, राजनीति, व्यवसाय, पत्रकारिता, साहित्य, विधि, पर्यावरण, पंडवानी व फोटोग्राफी के क्षेत्र मे कार्यरत महिलाओं का सम्मान किया गया। आयोजन के मुख्य अतिथि समाजसेवी तथा उद्यमी नरेंद्र अग्रवाल थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मतदाता जागृति परियोजना की नोडल अधिकारी कामिनी बावनकर ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप मे शिक्षाविद कुमुद लाड व उमा तिवारी, व्यवसायी राजेश शर्मा एवं वरिष्ठ पत्रकार विनय शर्मा उपस्थित थे। अतिथियों ने अपने उद्बोधन मे कहा कि कोई भी प्रयास छोटा हो या बड़ा वह मूल्यवान होता है।

सम्मानित हो रही महिलाओं ने जीवन के सभी क्षेत्रों में नेतृत्वपूर्ण भूमिका एवं चुनौतीपूर्ण दायित्वों को स्वीकार किया है। महिला सशक्तिकरण का उद्देश्य किसी भी

महिला की क्षमता को उस स्तर तक ले जाना है जहाँ पर वह अपना निर्णय स्वयं ले पाने में सक्षम हो। कार्यक्रम के दौरान कामिनी बावनकर द्वारा मतदाता जागृति हेतु प्रभावी प्रशिक्षण भी दिया गया। इस क्रम में रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी संपन्न हुई। अतिथियों द्वारा समस्त महिला विभूतियों को मोमेंटो व प्रशस्ति पत्र प्रदान कर ' नारी रत्न अवार्ड 2024' से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत मे लकी ड्रॉ के माध्यम से श्रीमती सोनल राजेश शर्मा को ' भाग्यशाली महिला' का पुरस्कार दिया गया। कार्यक्रम का प्रभावी संचालन वक्ता मं अध्यक्ष राजेश पराते एवं कुशल संयोजन शुभम साहू द्वारा किया गया।

आयोजन में विवेक बेहरा,मनीष अवस्थी, धनेश्वरी नारंग, प्रगति पराते, राजाराम रसिक, प्रीतिश तिवारी, उर्मिला देवी, संतोष धीवर, अखिलेश तिवारी, हरिशंकर सोनी, कमल सूर्यवंशी, देव मानिकपुरी, अमन टंडन, हेमलाल पटेल सहित टीम वक्ता मंच के समस्त सदस्य उपस्थित थे। आज सम्मानित होनेवालों मे नीता डूमरे, संगीता निषाद, प्रमदा ठाकुर, शुभा शुक्ला 'निशा', शालिनी चितलांगिया, रश्मि सुंदरानी, कल्पना शुक्ला, सुषमा अग्रवाल, डॉ कमल वर्मा, शालिनी गुप्ता, डॉ गार्गी पांडेय, सुनीता चन्सोरिया, अनिता दुबे, जया द्विवेदी, सावित्री जयमोहन साहू, एम शशिकला मूर्ति, डॉ संयुक्ता गाँधी ,अपराजिता शर्मा, साक्षी टोले, बबिता अग्रवाल, ममता मानकर, सरिता दुबे, अर्चना जैन सहित 100 महिलायें शामिल थी। दिव्यांगता को चुनौती देते हुए उच्च शिक्षा प्राप्त कर बैंक प्रबंधक बनी प्रियांशी अवस्थी का समूचे सदन ने करतल ध्वनि से स्वागत कर उनका उत्साह बढ़ाया। वक्ता मंच के सचिव मनीष अवस्थी द्वारा कार्यक्रम समाप्ति की घोषणा की गई। उल्लेखनीय है कि वक्ता मंच द्वारा विगत 2 दशकों से प्रतिवर्ष महिला सम्मान का कार्यक्रम आयोजित किया जाता है।

सीएम ने किया सीमंधर स्वामी जैन मंदिर ध्वजारोहण की पत्रिका का विमोचन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मंगलवार को सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व जिनकुशल सूरि जैन दादाबाड़ी के ध्वजारोहण व जन्मकल्याणक महोत्सव की पत्रिका का विमोचन किया। इस अवसर पर दादाबाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष संतोष बैद, महासचिव महेन्द्र कोचर, ट्रस्टी द्वय जय सांखला व योगेश बंगानी ने गुलाब फूल से मुख्यमंत्री का स्वागत किया। इस अवसर पर ट्रस्ट की ओर से शाल ओढ़ाकर मुख्यमंत्री का अभिनंदन किया गया और पत्रिका व श्रीफल से मुख्यमंत्री को ध्वजारोहण कार्यक्रम में 2 व 3 मई के लिए आमंत्रित किया गया। मुख्यमंत्री साय ने रात्रिकालीन प्रभु भक्ति में सम्मिलित होने की स्वीकृति प्रदान की। ट्रस्ट के अध्यक्ष संतोष बैद व महासचिव महेन्द्र कोचर ने मुख्यमंत्री साय को जैन गौशाला की स्थापना संबंधित जानकारी भी दी। मुख्यमंत्री ने जैन गौशाला हेतु हरसंभव मदद की बात कही।

23 साल की उम्र में पलक तिवारी ने इंटरनेट पर मचाई सनसनी

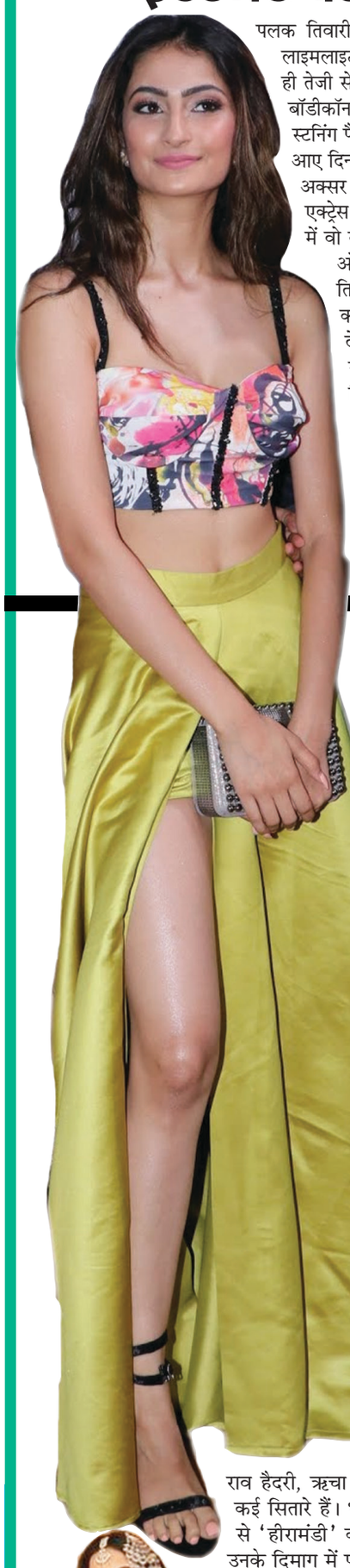

पलक तिवारी आए दिन अपने लुक्स के कारण सोशल मीडिया पर लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंस्टाग्राम पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट बॉडीकॉन आउटफिट में फोटोज शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका स्टनिंग फैशन देखकर फैंस के होश उड़ गए हैं। एक्ट्रेस पलक तिवारी आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी कुछ तस्वीरें फैंस के बीच शेयर की हैं। इन तस्वीरों में वो बला की खूबसूरत नजर आ रही हैं।

ओपन कर्ली हेयर और न्यूड मेकअप कर के एक्ट्रेस पलक तिवारी ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। साथ ही फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। इन फोटोज में आप देख सकते हैं पलक तिवारी सिजलिंग अंदाज में पोज देते हुए ग्लैमरस फोटोज क्लिक करवा रही हैं। पलत तिवारी ना सिर्फ अपनी एक्टिंग बल्कि फिटनेस और खूबसूरती से भी फैंस को दीवाना बनाए रखती हैं। बता दें कि एक्ट्रेस 23 साल की हैं। और उन्होंने इतनी कम उम्र में दर्शकों के बीच अपनी अच्छी खासी पहचान बना रखी है। पलक तिवारी को असली पहचान म्यूजिक एलब्म वीडियो बिजली-बिजली से मिली थी। वहीं एक्ट्रेस ने अपना बॉलीवुड डेब्यू सलमान खान की फिल्म किसी का भाई किसी की जान से किया था।

संजय लीला भंसाली की सीरीज की भव्यता के कायल हुए लोग

संजय लीला भंसाली की पहली वेब सीरीज 'हीरामंडी' रिलीज हो गई है। अब आप इसे ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर देख सकते हैं। इसके 8 एपिसोड रिलीज कर दिए गए हैं। इसी के साथ ट्विटर (अब एक्स) पर पब्लिक के रिव्यू भी आने लगे हैं। जानिए जनता को कैसी लगी 'हीरामंडी'?

बॉलीवुड के दिग्गज फिल्ममेकर संजय लीला भंसाली की पहली वेब सीरीज 'हीरामंडी' पिछले कई दिनों से लगातार बज में बनी हुई थी। अब ये आखिरकार ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हो गई है। 8 एपिसोड की इस सीरीज को देखने के लिए आपको नेटफ्लिक्स का सब्सक्रिप्शन लेना होगा। खैर। इस शो के स्ट्रीम होते ही सोशल मीडिया पर रुझान आने शुरू हो गए हैं। आइये आपको बताते हैं कि जनता को भंसाली का ये शो कैस लगा।

पहले जान लीजिए कि संजय लीला भंसाली की इस वेब सीरीज में मनीषा कोइराला, सोनाक्षी सिन्हा, अदिति राव हैदरी, ऋचा चड्ढा, शेखर सुमन, फरदीन खान सहित कई सितारे हैं। भंसाली के दिमाग में पिछले 18 साल से 'हीरामंडी' का आइडिया था। यही वजह है कि उनके दिमाग में पाकिस्तानी स्टार्स फवाद खान, माहिरा खान और इमरान अब्बास को कास्ट करने का भी विचार था। इसके अलावा वो रेखा, करीना कपूर और रानी मुखर्जी को भी कास्ट करना चाहते थे। खैर। अब वो इन कलाकारों के साथ आपके सामने हाजिर हैं।

12 अफेयर और तलाकशुदा बाद फिर से पार्टनर ढूंढ रही हैं 52 साल की ये एक्ट्रेस!

52 साल की हो चुकीं मनीषा कोइराला ने अपनी लाइफमें कई रंग देखे हैं। एक नामी खानदान और राजघराने से संबंध रखने वाली मनीषा ने अपनी जीवन में बहुत कुछ सहा है। ब्रेकअप, शादी और फिर तलाक के बाद कैंसर जैसी भयावह बीमारी का सामना किया।

मनीषा कोइराला 90 के दशक की टॉप एक्ट्रेस रही हैं। उन्होंने कई हिट फिल्में दी हैं। कैंसर से जंग जीतने के बाद उन्होंने 'डियर माया', 'लस्ट स्टोरी', 'संजू', 'प्रस्थानम' और 'शहजादा' जैसी फिल्मों में काम किया। उनकी वेब सीरीज 'हीरामंडी' इन दिनों चर्चे में हैं। अब इस वेब सीरीज के स्ट्रीम होने के बाद 52 साल की मनीषा ने अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफको लेकर बातें की। जूम से बात करते हुए मनीषा ने अपनी लव लाइफ, तलाक शुदा लाइफ से लेकर कैंसर से जंग लड़ने तक की बातें शेयर की। उनका कहना है कि वे लोग बेहद खुशनसीब होते हैं जिन्हें लाइफ में उतार-चढ़ाव देखने को नहीं मिलते हैं। लेकिन अंत में शांति वाली लाइफ जीते हैं। मनीषा का कहना है वह उन खुशनसीब वालों में एक हैं जिन्हें जीवन में काफी चीजें एक्सपीरियंस करने को मिला। उन्होंने कभी अपनी लाइफ को गलत नहीं समझा। इसके साथ ही वह तलाक के बाद खुद को काफी स्ट्रॉन्ग बनाया और आज बेहद मजबूत बन चुकी हैं।

मनीषा ने आगे कहा, 'मेरा काम है जो मैं बदल सकती हूं और कैसे लाइफ देखती हूं। मैं यह देख रही हूं कि गिलास आधा खाली है या आधा भरा। अब वह उस जिंदगी को जीना पसंद करती हैं, जैसा वो चाहती थीं। मनीषा कोइराला का कहना है कि कैंसर ने उनकी आधी लाइफ बदल दी है। वह कैंसर को ही काफी हद तक आभारी महसूस करती हैं क्योंकि उसने उन्हें बेहतर इंसान बनना सिखाया है।

आगे बातचीत में जब 52 साल की हो चुकीं मनीषा से पूछा गया है कि क्या लाइफमें पार्टनर चाहती हैं। इस पर उन्होंने कहा- 'यह झूठ होगा बोलना कि नहीं। मुझे लगता है कि मेरी लाइफ में कोई मेल पार्टनर होना चाहिए। अगर मेरी लाइफ में कोई पार्टनर होगा तो यह बहुत अच्छी बात है। लेकिन यह भी है कि मैं उसके लिए इंतजार करके अपना टाइम बर्बाद नहीं करूंगी। अब मैं 52 साल की हो चुकी हूं और परिवार बनाने में मुझे लगता है कि काफी देर हो गई है। कभी-कभी मैं सोचती हूं कि अगर मेरा पति होता तो क्या जिंदगी इतनी आसान होती? अगर मेरे किस्मत में लिखा है तो मुझे मिलेगा। अगर नहीं है तो भी ठीक है। मुझे लगता है मैं अपनी लाइफ खुलकर जी रही हूं।

आपको बता दें कि जब 90 के दशक में मनीषा का करियर पीक पर था तो उनका नाम करीब 12 लोगों संग जोड़ा गया था। जो फिल्म इंडस्ट्री से लेकर अन्य फिल्ड के भी लोग थे। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो, बिजनेसमैन सम्राट दहल संग शादी करने से पहले मनीषा का नाम विवेक मुशरान, नाना पाटेकर, डीजे हुसैन, नाइजीरियाई बिजनेसमैन सेसिल एंथनी, आर्यन वैद, प्रशांत चौधरी, ऑस्ट्रेलियाई राजदूत क्रिस्पिन कॉनरॉय के साथ जोड़ा गया था। याद दिला दें कि मनीषा कोइराला की तलाकशुदा हैं। उन्होंने साल 2010 में नेपाल के बिजनेसमैन सम्राट दहल संग शादी रचाई थी। लेकिन दुर्भाग्य से उनका रिश्ता 2 साल में ही टूट गया था। 2012 में पति से अलग होने के बाद मनीषा अकेले अपनी जिंदगी बिता रही हैं।

योग से मेरे जीवन में बदलाव आयाः समायरा

खूबसूरत अभिनेत्री समायरा संधू ने हाल ही में योग के उनके जीवन पर परिवर्तनकारी प्रभाव के बारे में खुलासा किया है। विभिन्न परियोजनाओं में अपने उल्लेखनीय प्रदर्शन के लिए जानी जाने वाली बहुमुखी अभिनेत्री ने योग के साथ अपनी यात्रा साझा की और बताया कि यह कैसे उनकी जीवनशैली का अभिन्न अंग बन गया है। एक स्पष्ट बातचीत में, समायरा ने खुलासा किया, मैंने 2022 में एक प्रसिद्ध योग गुरु के साथ उन्नत योग सीखना शुरू किया। हालांकि मैं बचपन से ही अपनी मां के साथ बुनियादी योग का अभ्यास कर रही हूं, क्योंकि वह मुझे इसके लिए प्रोत्साहित करती थीं। हालांकि, मैंने इसे सीख लिया।

केवल पिछले दो वर्षों में बहुत गंभीरता से। योग के प्रति उनका समर्पण केवल शारीरिक फिटनेस से परे समग्र कल्याण के प्रति गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। समायरा ने इस बात पर जोर दिया कि उनके लिए योग महज व्यायाम दिनचर्या से परे है। उन्होंने बताया, मैं जिम से ज्यादा योग में विश्वास करती हूं क्योंकि यह सिर्फ शारीरिक सेहत के बारे में नहीं है, बल्कि इसमें मानसिक सेहत भी शामिल है।

जब मैं योग का अभ्यास करती हूं तो मैं बहुत ऊर्जावान और फिट महसूस करती हूं। स्वास्थ्य के प्रति यह समग्र दृष्टिकोण एक अभिनेत्री के रूप में उनकी व्यस्त जीवनशैली से मेल खाता है, जहां निरंतर यात्रा और काम के दबाव के बीच संतुलन बनाए रखना सर्वोपरि है।

अपनी बहुमुखी प्रतिभा और आकर्षक ऑन-स्क्रीन उपस्थिति के लिए जानी जाने वाली अभिनेत्री ने हमेशा अपने उल्लेखनीय प्रदर्शन से दर्शकों पर अमिट छाप छोड़ी है। विविध किरदारों को चित्रित करने से लेकर अपने शानदार लुक से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने तक, समायरा ने अपने प्रत्येक प्रोजेक्ट में लगातार स्तर बढ़ाया है।

समायरा ने साझा किया, मनोरंजन उद्योग में जीवन की उथल-पुथल के बीच योग मेरा सहारा रहा है। यह मुझे जमीन से जुड़े रहने, ध्यान केंद्रित करने और ऊर्जावान रहने में मदद करता है। एक परिवर्तनकारी अभ्यास के रूप में योग का उनका समर्थन शारीरिक फिटनेस से परे इसकी सार्वभौमिक अपील और लाभों को रेखांकित करता है।

अंत में, समायरा संधू की यात्रा जीवन को समृद्ध बनाने और समग्र कल्याण को बढ़ावा देने में योग की शक्ति के लिए एक प्रेरणादायक प्रमाण के रूप में कार्य करती है। जैसे-जैसे वह स्क्रीन पर चमकती रहती हैं, योग के प्रति उनकी प्रतिबद्धता उनके प्रशंसकों और साथी अभ्यासकर्ताओं के लिए प्रेरणा की किरण के रूप में खड़ी होती है।

मनपसंद गाना लगाइए और मस्ती में थिरकिए, छूमंतर होगा स्ट्रेस, दूर होंगी कई बीमारियां

रोजाना कुछ देर डांस करके सेहतमंद बन सकते हैं। एक्सपर्ट्स इसे मेंटल और फिजिकल हेल्थ के लिए फायदेमंद मानते हैं। उनका कहना है कि डांस से पूरी बॉडी एक्टिव होती है और तनाव दूर हो सकता है। रोजाना कुछ देर डांस करके सेहतमंद बन सकते हैं। एक्सपर्ट्स इसे मेंटल और फिजिकल हेल्थ के लिए फायदेमंद मानते हैं। उनका कहना है कि डांस से पूरी बॉडी एक्टिव होती है और तनाव दूर हो सकता है। डांस सेहत के लिए फायदेमंद माना जाता है। डांस करने से पूरी बॉडी एक्टिव होती है और तनाव भी दूर होता है।

इसका मकसद डांसर्स का उत्साह बढ़ाना और डांस के अलग-अलग फॉर्म्स को बढ़ावा देना है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, हर दिन 15-20 मिनट डांस करके ही कई फायदे पा सकते हैं, इसलिए अपना मनपसंद गाना लगाकर कुछ देर थिरक सकते हैं। ऐसे में आइए जानते हैं डांस करने से सेहत को क्या-क्या फायदे मिलते हैं। डांस करने से फैट बहुत तेजी से कम होता है। अगर आप वजन कम करना चाहते हैं तो डांस करना फायदेमंद हो सकता है। जुंबा, बेली, क्लासिकल, हिप हॉप करके मोटापा-वजन कम कर सकते हैं। रोजाना डांस करने से बॉडी की फ्लेक्सिबिलिटी बढ़ती है और हड्डियों में ताकत आ जाती है।

डांस करने से मेमोरी बेहतर होती है। कुछ स्टडी में पाया गया है कि डांस करने से डिमेंशिया के लक्षण भी कम हो सकते हैं। डांस करने से शरीर में ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है। शरीर में सही तरह ब्लड पहुंचता है और कई अंग सही तरह काम करते हैं। डांस करने से तनाव दूर हो सकता है। इससे डिप्रेशन जैसी समस्याएं झट से दूर हो जाती हैं। इसे डिप्रेशन भगाने की अच्छी थेरेपी माना जाता है। थोड़ी देर डांस करके हार्ट को हेल्दी बनाया जा सकता है। यह एक शानदार कॉर्डियो वर्कआउट माना जाता है।

विराट कोहली ने पत्नी अनुष्का शर्मा को रोमांटिक अंदाज में किया विश

अनुष्का शर्मा को अपने जन्मदिन पर दुनिया भर से ढेरों बधाइयां मिल रही हैं। बॉलीवुड सेलेब्स भी उन्हें विश कर रहे हैं। करीना कपूर खान से लेकर अर्जुन कपूर समेत कई सेलेब्स ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर उनकी तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए हैं। इसके अलावा विराट कोहली ने भी पत्नी को जन्मदिन की मुबारकबाद दी है।

बॉलीवुड एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा अपना 36वां जन्मदिन मना रही है। ये जन्मदिन अभिनेत्री के के लिए बेहद खास हैं। इस बार अपने बर्थडे को बेटे अकाय के साथ सेलिब्रेट कर रही हैं। सुबह से ही अनुष्का को उनके फैंस और फ्रेंड्स सोशल मीडिया पर बधाई देते नजर आ रहे हैं।

करीना कपूर खान से लेकर अर्जुन कपूर समेत कई सेलेब्स ने भी इंस्टाग्राम पर उन्हें विश किया है, लेकिन सभी को विराट कोहली की विश का इंतजार कर रहे हैं। जो अब जाकर पूरी हुई है। जी हां, विराट कोहली ने वाइफअनुष्का का बेहद प्यार भरे अंदाज में जन्मदिन की मुबारकबाद दी है।

विराट कोहली का पोस्ट

अनुष्का शर्मा को जन्मदिन के मौके पर पति विराट कोहली से रोमांटिक अंदाज में जन्मदिन की बधाई मिली है। क्रिकेटर ने अपने इंस्टाग्राम पर पत्नी संग कई तस्वीरें शेयर कर प्यार लुटाया है। विराट कोहली ने अपने दिल की बात लिखी है, अगर मैं तुम्हें ना पाता तो मैं पूरी तरह से खो जाता, जन्मदिन मुबारक हो माय लवज्आप हमारी जिंदगी की लाइट हो, हम आपसे बहुत प्यार करते हैं। इसके साथ विराट कोहली ने तीन लव इमोजी भी बनाई। सोशल मीडिया पर विराट कोहली का यह पोस्ट तेजी से वायरल हो रहा है।

यूजर बोले हैप्पी बर्थडे भाभी

विराट कोहली की इस पोस्ट पर फैंस भी अनुष्का को विश कर रहे हैं। एक फैन ने लिखा- जन्मदिन मुबारक हो भाभी। दूसरे फैन ने लिखा- विराट कोहली के सबसे बड़े चीयरलीडर और सबसे मजबूत सपोर्ट सिस्टम को जन्मदिन की शुभकामनाएं। हर उतार-चढ़ाव में हमेशा उनके साथ खड़े रहने के लिए क्वीन अनुष्का शर्मा को धन्यवाद। तीसरे फैन ने लिखा- अकाय की मम्मी को हैप्पी बर्थडे।

फरवरी में दूसरी बार मां बनीं अनुष्का

बता दें, इस साल 15 फरवरी को अनुष्का शर्मा ने बेटे अकाय को लंदन में जन्म दिया। मां बनने के दो महीने बाद अनुष्का वापस मुंबई लौटी। अभिनेत्री इन दिनों अपने दोनों बच्चों के साथ ज्यादा से ज्यादा वक्त गुजार रही हैं और विराट कोहली आईपीएल मैच खेल रहे हैं।

एक नहीं है स्ट्रेस, एंग्जाइटी और डिप्रेशन की समस्या, जानें तीनों मेंटल कंडीशंस में क्या है अंतर

एंग्जायटी और डिप्रेशन दोनों मेंटल हेल्थ से जुड़ी समस्याएं हैं। दोनों ही खतरनाक मानी जाती हैं। यही कारण है कि डॉक्टर हमेशा इनसे बचने और सावधान रहने के लिए कहते हैं। कई बार सामान्य उदासी और तनाव को लोग एंग्जायटी और डिप्रेशन मान लेते हैं, जो गलत है। क्या आप एंग्जायटी और डिप्रेशन में अंतर जानते हैं। अगर नहीं तो आइए जाने, एंग्जायटी क्या होता है यह एक तरह का ऐसा मेंटल डिसऑर्डर होता है, जिसे चिंता, डर या आशंका से जोड़कर डॉक्टर देखते हैं। छोटी सी भी बात पर एकदम से घबरा जाना और बेचैन हो जाना इसके लक्षण होते हैं। इसके अलावा किसी चीज से डरना और उसे सोच-सोचकर तनाव महसूस करना, दिल की धड़कनों का बढ़ना, ओवरथिंकिंग एंग्जायटी होता है। ऐसी स्थितियां होने पर तुरंत डॉक्टर से मिलकर बात करनी चाहिए।

एंग्जायटी के लक्षण

* समय-समय पर बेचैनी
* चिड़चिड़ापन
* मांसपेशियों में तनाव
* ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई
* दिल की धड़कनें बढ़ना
* अधिक पसीना आना
* कांपना और सांस लेने में दिक्कतें

डिप्रेशन क्या होता है

डिप्रेशन यानी अवसाद मूड से जुड़ा डिसऑर्डर है, जिसकी चपेट में आने पर इंसान हमेशा उदास रहता है, किसी काम में मन नहीं लगता है। वो काम भी बुरे लगने लगते हैं, जो कभी बहुत ज्यादा पसंद आते थे। इसे एंग्जायटी से ज्यादा खतरनाक माना जाता है। अगर इसका सही समय पर इलाज न करवाया जाए तो स्थिति बिगड़ सकती है। हेल्थ एक्सपर्ट्स का कहना है कि गंभीर मामलों में डिप्रेशन का शिकार व्यक्ति सुसाइड तक की सोचने लगता है। डिप्रेशन मौत का कारण भी बन सकता है।

डिप्रेशन के लक्षण

* लगातार उदास रहना
* थकान, भूख या वजन में बदलाव
* नींद में गड़बड़ी, अपराध की भावना
* ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई
* सुसाइड का ख्याल मन में आना

खास खबर

बांस शिल्प प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीणों को सशक्त बनाना एक सहयोगात्मक प्रयास

सिरपुर। सिरपुर के बांसकुडा गांव में बांस शिल्प प्रशिक्षण कार्यक्रम एक पहल है जिसका उद्देश्य पारंपरिक शिल्प को संरक्षित और बढ़ावा देते हुए स्थानीय ग्रामीणों को व्यावसायिक कौशल के साथ सशक्त बनाना है। सिरपुर विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण (साडा) ने बांस शिल्प प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से स्थानीय ग्रामीणों को सशक्त बनाने की सराहनीय पहल की है। आजीविका के अवसरों को बढ़ाने और निरंतर/पारंपरिक कलाओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, कार्यक्रम ने महत्वपूर्ण ध्यान आकर्षित किया है। बांस शिल्प प्रशिक्षण कार्यक्रम का प्राथमिक उद्देश्य स्थानीय ग्रामीणों को बांस शिल्प कौशल में व्यावहारिक कौशल प्रदान करना, समुदाय के भीतर उद्यमशीलता और आय सृजन को बढ़ावा देना है। इसके अतिरिक्त, कार्यक्रम का उद्देश्य बांस, एक नवीकरणीय और पर्यावरण-अनुकूल संसाधन का उपयोग करके पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना है। यह कार्यक्रम स्थानीय ग्रामीणों को बांस शिल्प कौशल में प्रशिक्षित करने, उन्हें घरेलू वस्तुओं से लेकर सजावटी सामान तक विभिन्न प्रकार के उत्पाद बनाने के लिए आवश्यक कौशल से युक्त करने पर केंद्रित है। क्षेत्र के अनुभवी कारीगरों और विशेषज्ञों के नेतृत्व में, प्रशिक्षण में बुनाई, नक्काशी और बांस को जटिल डिजाइनों में आकार देने सहित विभिन्न तकनीकों को शामिल किया गया है। बांस शिल्प इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण सांस्कृतिक और आर्थिक महत्व रखता है, इसके उत्पादों की स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मांग है। प्रशिक्षण के अवसर प्रदान करके, कार्यक्रम न केवल पारंपरिक शिल्प कौशल को संरक्षित करता है बल्कि ग्रामीणों के लिए स्थायी आजीविका के रास्ते भी बनाता है। प्रशिक्षण कार्यक्रम को प्रभावी ढंग से डिजाइन और कार्यान्वित करने के लिए सिरपुर साडा ने राष्ट्रीय बांस मिशन के विशेषज्ञों के साथ सहयोग किया है।

लोकतंत्र के पर्व में दिखा जज्बा, दिव्यांग शबनम ने की होम वोटिंग

रायपुर। टवेल्थ फेल फिल्म में एक दृश्य इंटरव्यू का है। फिल्म के नायक यूपीएससी परीक्षा का इंटरव्यू दिलाने बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत होते हैं। बोर्ड उनसे कहता है कि जब हमारे पास आईआईटी और आईआईएम जैसे संस्थानों से पढ़े लोग हैं तो हम एक टवेल्थ फेल कैंडीडेट को क्यों चुने। फिल्म का नायक कहता है कि क्योंकि मैंने कठिन परिस्थितियों का सामना कर यह मुकाम हासिल किया है। आप एवरेस्ट में आक्सीजन सपोर्ट से चढ़ने वाले पर्वतारोही की प्रेरणा को बड़ा मानेंगे या उस पर्वतारोही को जो बिना ऑक्सीजन सपोर्ट के चढ़ा। ऐसा ही जज़्बा लोकतंत्र के इस पर्व में देखा जा रहा है। निर्वाचन आयोग द्वारा 85 साल से अधिक और दिव्यांग मतदाताओं के लिए होम वोटिंग की सुविधा दी गई है। हमारे दिव्यांगजन अपने हौसले के साथ मतदान प्रक्रिया में हिस्सा ले रहे हैं। ऐसा ही एक उदाहरण रायपुर ग्रामीण विधानसभा के ग्राम कांदुल में रहने वाली दिव्यांग बिटिया सुश्री शबनम यादव का है। उसने आज अपने मताधिकार का प्रयोग किया है। पहले की तरह इस बार भी मतदान के अधिकार का उपयोग करने से उनके चेहरे में खिलखिलाहट थी लेकिन एक अंतर था। इस बार मशक्कत काफी कम हो गई थी इसलिए उसकी खुशी कई गुना बढ़ गई। लोकतंत्र में मताधिकार का उपयोग जागरूक नागरिक के लिए बहुत मायने रखता है। पहले शबनम को अपने हाथों से गोद में उठाकर उनकी माँ श्रीमती इंदिरा बाई मतदान केंद्र ले जाती थीं। युवा बिटिया को उठाकर ले जाने में उन्हें जाहिर तौर पर कष्ट हुआ होगा, बिटिया को भी मतदान केंद्र तक पहुंचने और वोट डालने में दिक्कत भी आई होगी, लेकिन इनका जज्बा बहुत ऊंचा था। इस बार होम वोटिंग की सुविधा होने से मतदान शबनम के लिए काफी सरल हो गया।

1 लाख मनरेगा मजदूरों ने कार्य की गुणवत्ता और 100 दिन का रोजगार प्राप्त करने की ली शपथ

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। 1 मई 2024 मजदूरों की उपलब्धियों का सम्मान और उनके द्वारा दिये गये योगदान को याद करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 1 मई को अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस मनाया जाता है। धमतरी जिले के सभी विकासखंड और ग्राम पंचायतों में मजदूरों को संगठित कर आपसी एकता मजबूत करने और उन्हें उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये।

इस अवसर पर जिले के 1 लाख से ज्यादा मनरेगा मजदूरों ने एक साथ शपथ ली। इस दौरान जिले की 370 ग्राम पंचायतों के लगभग 5 हजार 500 वरिष्ट मजदूरों को श्रीफल प्रदान कर सम्मानित किया गया।

कलेक्टर नम्रता गांधी ने जिले के सभी मजदूरों का मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि 1 मई को अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि इस तप्ती गर्मी में जब हम अपने घर से भी बाहर जाने के लिए भी चूकते हैं, मजदूर लगातार काम करते रहते हैं और इकॉनॉमी को आगे बढ़ाने के लिए अपना योगदान देते रहते हैं। आज मैं हर उस मजदूर को धन्यवाद देती हूं जो अपने घर से बाहर निकलकर अपने श्रमदान देते हुए अपना योगदान देते हैं। धमतरी जिले के सभी ग्राम पंचायतों में सभी नरेगा मजदूरों ने आज इस दिवस को बड़े उत्साह के साथ मनाया है। इस अवसर पर नरेगा स्थल पर अनेक तरह के कार्यक्रम किए गए। शपथ ली गई कि कार्य को सुचारू और अच्छे ढंग से किया जाएगा और गुणवत्ता पर ध्यान दिया जायेगा। शपथ ली गई कि हर अंतिम व्यक्ति को जिसे मजदूरी की आवश्यकता है, उसे मजदूरी दी जायेगी और गांव के विकास के लिए अपना योगदान दिया जायेगा।

सीईओ जिला पंचायत रोमा श्रीवास्तव ने सभी मजदूर भाइयों एवं बहनों को विश्व मजदूर दिवस की बधाई दी। उन्होंने कहा कि श्रमिकों का समाज में योगदान न केवल आर्थिक रूप से है बल्कि उनके अधिकारों और सामाजिक स्थिति के मामले में बहुत महत्वपूर्ण है।

धमतरी जिले में मनरेगा योजना के तहत कुल 01 लाख 45 हजार 899 सक्रिय पंजीकृत परिवार हैं जिसमें 02 लाख 99 हजार 818 श्रमिक हैं और 01 लाख 49 हजार 909 सक्रिय महिला श्रमिक लाभान्वित हो रहे हैं। 50 दिवस से अधिक कार्य किये श्रमिकों का कार्यस्थल में उनका हौसला बढ़ाने के लिए सम्मानित किया गया।

जिले में संचालित मनरेगा के कार्यस्थल पर उपस्थित मजदूरों में छत्तीसगढ़ी बोली में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना अंतर्गत गांव के जम्मो कमइय्या मजदूर मन 01 मई ला मजदूर दिवस के रुप मा मनावत ए शपथ लेवत हन के योजना के तहत एक वित्तीय वर्ष मा कम से कम 100 दिवस के मजदूरी कमा के आजीविका गतिविधि ले आत्मनिर्भर बनबो। हमन यहू जानथन के गरमी के दिन मा गहरावत जल संकट ले निबटे बर कुंआ, तालाब, डबरी म पानी ला संजो के ओखर उपयोगिता ला जन-जन तक बगराबो। अपन कर्तव्य के प्रति जागरूक हो के पानी ला संजोये खातिर लोगन ला प्रेरित घलो करबोन। स्वीकृत कार्य ला ईमानदारी से करबो अउ गांव ला आदर्श गांव बनाबो।

जनता भाजपा के साथ है : नितिन नबीन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर । भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रभारी नितिन नबीन ने कोरबा में आयोजित संवाददाता सम्मलेन को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में आज जो वातावरण है कहीं न कहीं आज मोदी मय वातावरण दिख रहा है। आज पूरे वातावरण में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के काम और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी लोगों की जुबान पर हैं। पहली बार छत्तीसगढ़ पूरी तरह से कीर्तिमान रचेगा और छत्तीसगढ़ की सभी 11 सीटें कमल के रूप में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की झोली में जाएगी। आज छत्तीसगढ़ के सभी लोकसभा क्षेत्र में हमने भ्रमण किया है और सभी जगहों में हम मजबूत हैं और जिस प्रकार से माहौल है उसे देखकर लग रहा है कि जिस तरह से हमें 2023 के विधानसभा चुनाव में जो समर्थन मिला उससे और अधिक इस बार भी

भारतीय जनता पार्टी को समर्थन मिल रहा है।

नितिन नबीन ने प्रदेश की पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के भ्रष्टाचार के बारे में चर्चा करते हुए कहा कि जिस प्रकार से यहां भ्रष्टाचार हुए हैं यहां के लोगों के जहन में अभी भी है। जिस प्रकार से कांग्रेस और चरण दास महंत और उनके जो समर्थक है वह भी कहीं ना कहीं भ्रष्टाचार में संयुक्त पाए गए हैं। वे सब करप्शन में भूपेश बघेल के शागिर्द बने रहे चाहे शिव डहरिया हो या फिर चरणदास महंत हो। इन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए अपमानजनक शब्दों का प्रयोग एवं अभद्र टिप्पणियां की है। आज जनता उनको जवाब देने के लिए खड़ी है चाहे जांजगीर लोकसभा क्षेत्र हो या फिर कोरबा जनता उन्हें जवाब देने के लिए तैयार है। भाजपा प्रदेश प्रभारी नितिन नबीन ने पत्रकारों द्वारा पूछे गए सवाल के जवाब में कहा कि भूपेश बघेल की सीट बच रही हैं क्या? दावा कर सकते हैं।? महंत जी की लाठी ने डबल प्रहार किया है जो खेल खेला है जनता तो उसका जवाब दे रही है और महंत ने भूपेश बघेल से अपनी पुरानी दुश्मनी का हिसाब कर लिया है। एक अन्य सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि जिसने सनातन परंपराओं पर चोट पहुंचाई सनातन धर्म का अपमान किया कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष के पुत्र के विरोध में कांग्रेसियों ने कुछ नहीं बोला।

आज उनको शिव का अवतार बनने की इच्छा हो रही हैं उस समय टोपी पहनने बेताब थे। कांग्रेसी नेता राम को हराएंगे बोलते हैं भगवान श्री राम एक परंपरा है भारत की संस्कृति है भारत का संस्कार है। त्रेता में भगवान राम ने रावण को हराया था और इस समय कलयुगी रावणों की हार होगी। पत्रकार वार्ता में पूर्व विधायक अकलतरा सौरभ सिंह, प्रदेश मीडिया सह प्रभारी अनुराग अग्रवाल भी मौजूद रहे।

कलेक्टर की पाती पहुंचेगी घर-घर, मतदान के लिए होगा सभी से आग्रह

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। लोकसभा चुनाव-2024 में शत-प्रतिषत मतदान के उद्देश्य को सफल बनाने के लिए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. गौरव कुमार सिंह के नेतृत्व में कई महत्वपूर्ण पहल किए जा रहें हैं। 2 से 5 मई तक एक विशेष अभियान चलाया जाएगा, जिसमें जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. गौरव कुमार सिंह की पाती घर-घर पहुंचेगी। तीन हजार से अधिक आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका घर-घर जाएंगे और यह पाती पहुंचाएंगे, जिसमें महिला बाल विकास विभाग के पर्यवेक्षक सहयोग करेंगे। साथ ही यह अपील करेंगे कि 07 मई सुबह 7 से शाम 6 बजे की अवधि में अपने मतदान केन्द्र में जाकर मतदान अवश्य करें और अपने परिवार के सदस्यों, आस-पड़ोस के लोगों को भी मतदान के लिए प्रेरित करें। इस अभियान का नोडल महिला एवं बाल विकास विभाग को बनाया गया है।

कलेक्टर की इस पाती में पोस्ट कार्ड में डॉ. गौरव सिंह की अपील लिखी हुई है। जिसमें कहा गया है कि ''आगामी 07 मई को रायपुर लोकसभा क्षेत्र के लिए वोट डाले जाएंगे। लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए हर वोट महत्वपूर्ण है। वोट देना आपका नैतिक दायित्व ही नहीं वरन राष्ट्रीय कर्तव्य भी है'' इस पाती अर्थात् पोस्टकार्ड में कलेक्टर ने आम मतदाताओं से राष्ट्र को सशक्त बनाने हेतु 7 मई को मतदान अवश्य की अपील करते हुए कहा है कि जिनकी आयु 18 वर्ष से अधिक हैं और जिनका नाम मतदाता सूची में दर्ज है उन सभी को मतदान के लिए प्रेरित करें।

आभाव या प्रभाव की मित्रता टिकाऊ नहीं : स्वामी निरंजन महराज

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। हमारे मन में प्रेम है,घट में प्रेम है,अपने अंदर की पवित्रता है तो हमारे घर में जीवन में वृन्दावन है ,जहां प्रभु हमेशा रहते हैं। मन वचन कर्म से भगवान का वरण कर लो,जैसे व्यवहार जगत में कन्या,पति का वरण करती है वैसे जीव के लिए जगतपति हैं ईश्वर,जिसे पाने के लिए वरण करने के लिए रखमणी की तरह चातक प्रेम होना चाहिए।दास का भाव रखते हुए भगवत शरन होकर जीवन का यश,पुण्य ,परमार्थ जो कुछ भी है परमात्मा के शरण अर्पित कर दो।

ग्राम बोरई के पावन धरा में दीपक यादव परिवार एवं ग्रामवासियों के सहयोग से आयोजित भागवत कथा यज्ञ सप्ताह के अंतिम दिवस भगवताचार्य स्वामी निरंजन महराज लिमतरा आश्रम ने उपस्थित भागवत भक्तों से कही, निष्काम प्रेम का भाव हमें गोकुल के गलियों से सीखनी चाहिए जहां ब्रजवासी कृष्ण की अनुपस्थिति में भी चौबिसों घंटा कृष्ण का साथ होने का अनुभूति करते हैं। कृष्ण रुखमणी विवाह के सजीव चित्रण से उत्साह से भरे भागवत भक्तों नें वैसे ही कन्या दान का रस्म किये जैसे सच में रुखमणी उसकी ही पुत्री हो। कन्या दान का महत्व बताते हुए कथा प्रवक्ता स्वामी निरंजन जी महराज ने उपस्थित श्रोताओं से आग्रह किया कि जीवन में कन्या दान का सौभाग्य अवशय उठाना चाहिए चाहे बेटी किसी का भी हो। यह व्यवहार जगत का श्रेष्ठ दान होता है।

शांतिपूर्ण निर्वाचन सम्पन्न कराने शहर में सुरक्षाबलों ने किया फ्लैग मार्च

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। शांतिपूर्ण एवं भयमुक्त निर्वाचन सम्पन्न कराने हेतु आज शहर में सुरक्षाबलों द्वारा फ्लैग मार्च किया गया। फ्लैग मार्च में जवानों के साथ कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अवनीश शरण, एसपी राजनेश सिंह भी साथ-साथ चले। फ्लैग मार्च पुलिस परेड ग्राउण्ड से शुरू होकर शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरा। इस फ्लैग मार्च में सुरक्षा बलों की विभिन्न टुकड़ियों के सैकड़ो जवान शामिल हुए।

कलेक्टर ने जवानों को संबोधित करते हुए कहा कि शांतिपूर्ण एवं भयमुक्त निर्वाचन सम्पन्न कराने के लिये आप पर महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। कलेक्टर ने कहा कि इस फ्लैग मार्च का उद्देश्य 07 मई को होने वाले लोकसभा चुनाव के मद्देनजर शहरवासियों को अधिक से अधिक संख्या में मतदान हेतु जागरूक करते हुए स्वतंत्र, सुरक्षित और शांतिपूर्ण मतदान के लिए प्रेरित

करना है। उन्होंने उम्मीद जताई कि शहर के मध्य स्थित घनी आबादी वाले इन इलाकों में पुलिस और प्रशासन का संयुक्त फ्लैग मार्च निर्वाचन के प्रति मतदाताओं के विश्वास को बढ़ाएगा, साथ ही चुनाव को दृष्टिगत रखते हुए किसी भी प्रकार के असामाजिक तत्वों को सुरक्षा बलों की तैनाती से साफ संदेश देने का प्रयास किया गया है। एसपी श्री राजनेश सिंह ने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया में सुरक्षाबलों की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। निर्वाचन प्रक्रिया को ध्यान में रखते हुए जिले में सुरक्षा की चाक चौबंद व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि 07 मई को आयोजित होने वाले लोकसभा निर्वाचन की प्रक्रिया निर्बाध रूप से संपन्न कराई जाएगी।

फ्लैग मार्च पुलिस परेड ग्राउंड से शुरू होकर ईदगाह चौक, सिम्स चौक, सदर बाजार, कोतवाली चौक, हटरी चौक, गांधी चौक, दयालबंद नारियल कोठी, जगमल चौक, गुरूनानक चौक, तोरवा थाना होकर रेलवे स्टेशन इंदिरा चौक, टैगोर चौक, पुराना बस स्टैण्ड, सीएमडी चौक, गायत्री मंदिर, मैग्नेटो मॉल, महिमा तिराहा, भारतीय नगर चौक, तैयबा नगर चौक, मगरपारा चौक, राजीव गांधी चौक, महाराणा प्रताप चौक होते हुए शहर के प्रमुख मार्गो से गुजरा। नगर निगम आयुक्त अमित कुमार, एडिशनल एसपी उमेश कश्यप, सीएसपी आईपीएस पूजा कुमार, बिलासपुर एसडीएम पीयूष तिवारी सहित कई प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी सहित बड़ी संख्या में जवान उपस्थित रहें।

छत्तीसगढ़ से गुजरने वाली 22 ट्रेनें फिर से रद्द

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। रेलवे ने छत्तीसगढ़ से होकर गुजरने वाली 22 ट्रेनों को रद्द कर दिया है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के नागपुर रेल मंडल के नेताजी सुभाष चंद्र बोस (इतवारी) रेलवे स्टेशन एलएचएस पुशिंग के कार्य के लिए इन ट्रेनों को रद्द किया जा रहा है। एलएचएस पुशिंग का कार्य 8 से 10 मई 2024 तक एवं 19 से 30 मई 2024 तक किया जा रहा है

यह ट्रेनें रहेंगी रद्द

दिनांक 08 से 10 मई, 2024 तक डोंगरगढ़ से चलने वाली 08711 डोंगरगढ़-गोंदिया मेमू पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी।

दिनांक 09 से 11 मई, 2024 तक गोंदिया से चलने वाली 08712 गोंदिया-डोंगरगढ़ मेमू पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी।

दिनांक 08 से 10 मई, 2024 तक गोंदिया

से चलने वाली 08713 गोंदिया-सुभाष चंद्र बोस (इतवारी) मेमू पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी।

दिनांक 09 से 11 मई, 2024 तक सुभाष चंद्र बोस (इतवारी) से चलने वाली 08716 सुभाष चंद्र बोस (इतवारी) - गोंदिया मेमू पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी।

दिनांक 09 से 11 मई, 2024 तक सुभाष चंद्र बोस (इतवारी) से चलने वाली 08756 सुभाष चंद्र बोस (इतवारी) रामटेक मेमू पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी।

दिनांक 09 से 11 मई, 2024 तक रामटेक से चलने वाली 08751 रामटेक-सुभाष चंद्र बोस (इतवारी) मेमू पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी।

दिनांक 08 से 10 मई, 2024 तक सुभाष चंद्र बोस (इतवारी) से चलने वाली 08754 सुभाष चंद्र बोस (इतवारी) - रामटेक मेमू पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी।

8. दिनांक 08 से 10 मई, 2024 तक रामटेक से चलने वाली 08755 रामटेक-सुभाष चंद्र बोस (इतवारी) मेमू पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी।

दिनांक 08 से 10 मई, 2024 तक सुभाष चंद्र बोस (इतवारी) से चलने वाली 08714 सुभाष चंद्र बोस (इतवारी) बालाघाट मेमू पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी।

दिनांक 08 से 10 मई, 2024 तक बालाघाट से चलने वाली 08715 बालाघाट-सुभाष चंद्र बोस (इतवारी) मेमू पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी।

दिनांक 08 से 10 मई, 2024 तक सुभाष चंद्र बोस (इतवारी) से चलने वाली 08281 सुभाष चंद्र बोस (इतवारी)-तिरोडी पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी।

दिनांक 08 से 10 मई, 2024 तक तिरोडी से चलने वाली 08284 तिरोडी-तुमसर रोड पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी।

दिनांक 08 से 10 मई, 2024 तक तुमसर रोड से चलने वाली 08283 तुमसर रोड-तिरोडी पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी।

दिनांक 08 से 10 मई, 2024 तक तिरोडी से चलने वाली 08282 तिरोडी- सुभाष चंद्र बोस (इतवारी) पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी।

दिनांक 06 से 08 मई, 2024 तक टाटानगर से चलने वाली 18109 टाटानगर-सुभाष चंद्र बोस (इतवारी) एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

दिनांक 08 से 10 मई, 2024 तक सुभाष चंद्र बोस (इतवारी) से चलने वाली 18110 सुभाष चंद्र बोस (इतवारी)-टाटानगर एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

दिनांक 08 से 10 मई, 2024 तक नागपुर से चलने वाली 11201नागपुर- शहडोल एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

दिनांक 09 से 11 मई, 2024 तक शहडोल से चलने वाली 11202 शहडोल-नागपुर एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

दिनांक 08, 10, 11, 13, 15, 17, 18, 20, 22, 24, 25, 27, 29 एवं 31 मई, 2024 को सुभाष चंद्र बोस (इतवारी) से चलने वाली 11755 सुभाष चंद्र बोस (इतवारी)-रीवा एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

दिनांक 07, 09, 10, 12, 14, 16, 17, 19, 21, 23, 24, 26 28 एवं 30 मई, 2024 को रीवा से चलने वाली 11756 रीवा- सुभाष चंद्र बोस (इतवारी) एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

दिनांक 19 से 30 मई, 2024 तक नागपुर से चलने वाली 11201नागपुर- शहडोल एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

दिनांक 20 से 31 मई, 2024 तक शहडोल से चलने वाली 11202 शहडोल-नागपुर एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

मंडप के नीचे वर-वधु ने ली मतदान की शपथ

रायगढ़। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कार्तिकेया गोयल के निर्देशन एवं जिला पंचायत सीईओ एवं नोडल अधिकारी स्वीप जितेन्द्र यादव के मार्गदर्शन में लोकसभा निर्वाचन 2024 में जिले में शत-प्रतिशत मतदान करने के लिए स्वीप के तहत विविध कार्यक्रम आयोजित कर नागरिकों को लोकतंत्र में एक-एक वोट के महत्व को बताया जा रहा है। उन्होंने मतदान समय की जानकारी देते हुए बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक मतदान समय निर्धारित किया गया है। इस समयावधि में आकर सभी अवश्य मतदान करें।

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts ● Toys ● Cosmetics
Perfumes ● Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

शातिर बदमाश संजय सिंह एक साल के लिए जिलाबदर, कई अपराधों में रहा है शामिल

दुर्ग। जिले के शातिर बदमाश संजय सिंह राजपूत को एक साल के लिए जिलाबदर कर दिया गया है। लोकसभा चुनाव के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए कलेक्टर व जिला दंडाधिकारी ऋचा प्रकाश चौधरी के निर्देश पर जिला बदर की कार्रवाई की गई। दुर्ग के साथ ही संजय सिंह को सीमावर्ती जिले रायपुर, बेमेतरा, खैरागढ़-छुईखदान, राजनांदगांव, बालोद एवं धमतरी जिला की सीमाओं से आदेश पारित की तिथि से एक सप्ताह के अंदर हटने अथवा बाहर चले जाने का आदेश दिया गया है। संजय सिंह को इस तिथि से एक वर्ष की अवधि तक उक्त जिलों की सीमाओं में अनुमति के बिना प्रवेश निषिद्ध होगा।

पुलिस अधीक्षक दुर्ग जितेन्द्र शुक्ला व्दारां प्रस्तुत प्रतिवेदन में बताया गया कि आरोपी व्दारा वर्ष 1994 से आम लोगों को हथियार दिखाकर भयभीत करना, मारपीट करना, जन सामान्य को गंदी-गंदी गाली गलौच करना, जान से मारने की धमकी देना, प्राणघातक चोंट पहुंचाना, अवैध शराब की बिकी, असामाजिक तत्वों के साथ मिलकर अवैध वसूली करना, जमीन दलाली कर आम जनता को आतंकित करना, डकैती, जुआं खिलाने के अपराध में संलिप्त रहा है। उसके विरूद्ध थाना मोहन नगर में 13 अपराधिक व प्रतिबंधात्मक धाराओं के तहत कार्रवाई की गयी है, फिर भी उसके आचरण में कोई सुधार नहीं हुआ है। संजय सिंह को न्यायालय व्दारा कारण बताओं सूचना पत्र जारी करने पर भी उसके व्दारा कोई जवाब पेश नहीं किया गया। बदमाश के विरूद्ध एकपक्षीय कार्यवाही कर उसका पक्ष समर्थन का अवसर समाप्त किया गया है और जिला दण्डाधिकारी ऋचा प्रकाश चौधरी व्दारा क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने के उद्देश्य से संजय सिंह राजपूत को जिलाबदर किया गया है।

20 लीटर कच्ची महुआ शराब के साथ आरोपी गिरफ्तार, भखारा पुलिस की कार्रवाई

धमतरी-रायपुर (ए.)। थाना भखारा को 29 अप्रैल को मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम रामपुर किकेट मैदान गौठान के पास एक व्यक्ति अवैध रूप से शराब बिकी करने ले जा रहा है कि सूचना पर हमराह स्टॉफ एवं मुखबिर के बताये स्थान में जाकर घेराबंदी कर एक व्यक्ति को सफेद रंग के प्लास्टिक बोरी में अवैध रूप से शराब रखे पाये जाने पर नाम पता पूछने पर अपना नाम अवध राम नेताम पिता स्व. प्रेमलाल नेताम 55 वर्ष निवासी रामपुर से देशी प्लेन शराब 7 नग पौवा, देशी मशाला शराब 3 नग पौवा एवं 6 नग गोवा स्पेशल अंग्रेजी शराब प्रत्येक में 180 180 एमएल एवं 03 पीले रंग के प्लास्टिक जरिकेन प्रत्येक में 6-6 लीटर हाथ भटठी से बना महुआ शराब कुल जुमला 20 लीटर 880 मिली लीटर कीमती 3480 रुपये रखे मिला। आरोपी अवध राम नेताम पिता स्व. प्रेमलाल नेताम 55 वर्ष साकिन रामपुर थाना भखारा, जिला धमतरी (छ.ग.) आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया। सम्पूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी निरीक्षक लेखराम ठाकुर, प्रआर.राम सिंह साहू, अश्वनी बंजारे, आरक्षक हरिशंकर सिन्हा, खुमान लाल साहू, मिथलेश खापर्डे, गोपाल साहू एवं महिला आरक्षक भारती साहू का विशेष योगदान रहा।

कुम्हारी बस हादसे में घायलों की मदद करने वालों को मिला इनाम, एसपी ने किया सम्मान

केन्द्र सरकार को भी भेजेंगे गुड सेमेरिटन की जानकारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के कुम्हारी थाना क्षेत्र में पिछले दिनों हुए बस हादसे के दौरान घायलों की मदद करने वाले लोगों का दुर्ग पुलिस ने सम्मान किया है। बुधवार को गुड सेमेरिटन (नेक इंसान) को एसपी ने प्रशस्ति पत्र और पुरस्कार देकर सम्मानित किया। दुर्ग पुलिस द्वारा केंद्र सरकार से इस योजना के तहत मिलने वाले 5 हजार रुपए नकद इनाम के लिए भी जानकारी भेजी जाएगी। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक जितेंद्र शुक्ला ने घायलों की मदद करने वाले नेक इंसानों का आभार जताया और आगे भी ऐसे ही कार्यों के लिए प्रेरित किया। एसपी शुक्ला ने आम नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि सड़क दुर्घटना में घायलों की निसंकोच मदद करें।

बता दें कि 09 अप्रैल को कुम्हारी थाना क्षेत्र अंतर्गत केडिया कंपनी से कर्मचारियों को लेकर जा रही मिनी बस रात्रि 08.10 बजे अनियंत्रित होकर 25 फीट गहरी खाई में

पलट गई थी। इस भीषण हादसे में 12 लोगों की मृत्यु हुई एवं 17 लोग इस दुर्घटना में घायल हुए थे। उक्त घटना के पश्चात महामाया पारा निवासी सरस्वती खाण्डे के द्वारा सर्व प्रथम लोगों की आवाज सुनकर घर से बाहर आकर देखने पर बस नीचे गिरा हुआ पाया गया। जिसे तत्काल वे आस पास के लोगों को चिल्लाकर बुलाई जिसमें गुडसेमेरिटन दुर्गेश कुराहे, मुकेश कुराहे, आकाश यादव, पवन यादव, पूजन प्रजापति, जितेन्द्र जांगडे, ओमप्रकाश प्रजाप्रति एवं लोकेश सोनकर के द्वारा तत्काल घायलों को बस से निकालकर नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र में उपचार हेतु ले जाने का नेक कार्य किया गया। इनके इस सराहनीय कार्य से घायलों को प्राथमिक उपचार मिल सका और उनकी जान बच पाई।

9 लोगों को प्रशस्तिपत्र देकर किया सम्मानित

कुम्हारी बस हादसे में घायलों की मदद करने वालों में महामाया पारा कुम्हारी निवासी सरस्वती खांडे, दुर्गेश कुराहे, मुकेश कुराहे, आकाश यादव, पवन यादव, पूजन प्रजापति, जितेन्द्र जांगडे, ओमप्रकाश प्रजाप्रति और लोकेश सोनकर आदि शामिल हैं। इन सभी ने हादसे के बाद घायलों की तत्काल मदद की। सभी ने मिलकर तत्काल घायलों को बस निकालकर नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र में उपचार हेतु ले जाने का नेक कार्य किया गया इनके इस सराहनीय कार्य से घायलो को प्राथमिक उपचार मिलने से उनकी जान बचाई जा सकी। साथ ही पुलिस और प्रशासन को इसकी सूचना दी।

नकद पुरस्कार के लिए केंद्र सरकार को भेजेंगे जानकारी

दुर्ग पुलिस द्वारा सम्मान पाने वाले लोगों को केन्द्र की योजना का लाभ भी दिलाया जाएगा। डीएसपी सतीश ठाकुर ने बताया कि एसपी के निर्देश पर सभी की जानकारी मंगाई गई। इनकी जानकारी परिवहन विभाग के माध्यम से केंद्र सरकार को भेजा जाएगा। गुड सेमेरिटन योजना के तहत इन सभी को मिलने वाले 5 हजार के नकद पुरस्कार के लिए केंद्र सरकार को पत्राचार करेंगे।

झाड़फूंक करने वाले शख्स की हत्या एक माह बाद पकड़ाए आरोपी

'दृश्यम' फिल्म की तर्ज पर दिया वारदात को अंजाम,

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोंडगांव। छत्तीसगढ़ के कोंडागांव जिले में युवकों ने दृश्यम फिल्म देखकर झाड़-फूंक करने वाले की हत्या कर दी। इसके बाद गांव से 2 किमी दूर नाले के पास शव को दफना दिया। मोबाइल और सिम को अलग-अलग जगह फेंक दिया। मृतक के समाज से बहिष्कार के बाद कोई घर नहीं जाता था। घटना धनोरा थाना क्षेत्र की है। अब एक महीने बाद पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

मिली जानकारी के अनुसार धनोरा के ग्राम चनिया में एक परिवार का समाज ने साल 2013 में बहिष्कार कर दिया था। किसी भी सामाजिक काम उन्हें नहीं बुलाया जाता था और न ही उनके घर कोई जाता था। इसी बीच 28 मार्च 2024 को परिवार का मुखिया सतऊ राम (42) एक शादी समारोह में गया था। कार्यक्रम के बाद भी वह वापस नहीं आया। इससे परिवार के लोग परेशान हो गए। पत्नी, 4 बच्चों और दादा समेत सभी का रो-रो कर बुरा हाल हो चुका था। सतऊ राम झाड़-फूंक का काम करते थे और जादू-टोना के शक में गांव वालों ने 11 साल पहले पूरे परिवार का सामाजिक बहिष्कार कर दिया।

बताया जा रहा है कि, हत्या पारिवारिक जमीनी विवाद के चलते की गई है। गांव के ही शिवकुमार ने दृश्यम फिल्म देखकर इस वारदात को अंजाम दिया था। उसका साथ दूसरे आरोपी महरू ने दिया। मर्डर के बाद गांव से दूर शव को नाले के किनारे दफन कर दिया। धनोरा थाना प्रभारी यशवंत श्याम ने बताया कि, टेक्निकल टीम और परिवार से मिले इनपुट के आधार पर दो युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई, जिसमें युवकों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया और हत्या का खुलासा हुआ। इसके बाद पुलिस आरोपियों को घटना स्थल लेकर पहुंची, जहां दोनों ने सतऊ राम को मारकर दफना दिया था। बुधवार को एएसपी रूपेश कुमार, एसडीम अंकित चौहान, एसडीओपी भूपत सिंह, तहसीलदार नेत्रा प्रभा सिदार, साइबर की टीम और धनोरा पुलिस मौके पर पहुंची। आरोपियों की निशानदेही पर खुदाई कर शव को बाहर निकाला गया। इसके बाद पोस्टमॉर्टम के लिए जगदलपुर भेज दिया गया।

मारे गए 10 नक्सलियों में 8 की हुई पहचान जवानों ने बरामद किए भारी मात्रा में हथियार

श्रीकंचनपथ न्यूज

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ में सुरक्षाबलों की कार्रवाई से नक्सलियों की कमर टूट गई है। एक माह के भीतर दो बड़े मुठभेड़म और 40 से अधिक नक्सलियों का खात्मा हो गया है। ताजा मामले में दो दिन पहे हुई मुठभेड़ में 10 नक्सलियों को सुरक्षाबलों ने मार गिराया। मारे गए 10 नक्सलियों में से 8 की पहचान हो गई है। यही नहीं इनके पास से पुलिस ने भारी मात्रा में हथियार भी बरामद किए हैं।

बता दें 30 अप्रैल को नारायणपुर जिले में पुलिस व नक्सलियों के बीच हुई। नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना पर 29 अप्रैल को जवान नारायणपुर और कांकेर जिले के बॉर्डर इलाके में सर्चिंग पर निकले हुए थे। रात भर सर्चिंग के बाद अबूझमाड़ के टेकामेटा के जंगलों में डीआरजी और एसटीएफ के जवानों का सामना नक्सलियों से हो गया। पुलिस ने मुठभेड़ में 10 नक्सलियों को मार गिराया था, जिसके बाद सभी के शव को पहचान के लिए मुख्यालय लाया गया, जहां पुलिस ने मारे गए 10 नक्सलियों में आठ नक्सलियों की पहचान करते हुए उनके फोटो भी किए हैं।

मारे गए नक्सलियों में तीन महिला और सात पुरुष शामिल हैं। मुठभेड़ स्थल की सर्चिंग के दौरान जवानों ने एक.च 47, एक इंसास राइफल, सहित भारी मात्रा में हथियार एवं गोला बारूद जब्त किया। मुठभेड़ में महाराष्ट्र, तेलंगाना और बस्तर के 1 एसजेडसीएम, 2 डिवीसीएम 1 एसीएम नक्सली कमांडर्स सहित 10 इनामी नक्सली मारे गए। इनमें एसजेडसीएम जोगन्ना, जिस पर 196 आपराधिक मामले दर्ज हैं और मलेश कमांडर कंपनी नंबर 10 जिस पर 43 आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। वडिवीसीएम विनय जिस पर 8 आपराधिक मामले गढ़चिरौली जिले में दर्ज हैं।

गांजा के साथ दो अंतराज्यीय तस्कर चढ़े आरपीएफ के हत्थे

रायपुर (ए.)। मंडल टास्क टीम रायपुर एवं आरपीएफ पोस्ट रायपुर के साथ सघन चेकिंग के दौरान लोकसभा चुनाव आचार संहिता के मद्देनजर प्री इलेक्शन सीजर अभियान के तहत मुखबीर की सूचना के आधार पर रेसुब पोस्ट रायपुर प्रभारी निरीक्षक एसके दत्ता के नेतृत्व में आपरेशन नारकोस के तहत मुखबिर सूचना के आधार पर रेलवे स्टेशन रायपुर के प्लेटफार्म नंबर 5 बिलासपुर छोर एफओबी सीढ़ी के पास मुखबिर के बताए हुलिया पहनावा एवम सामान के आधार पर 2 संदिग्ध व्यक्ति को 30 अप्रैल को समय 22.15 बजे 2 व्यक्ति को घेरा बंदी कर पकड़े दोनों के पास रखे एक एक पिठ्ठू बैग को चेक करने पर मादक पदार्थ गांजा होना पाया गया नाम पता पूछने पर अपना नाम पता (1) दिनेश कुमार पिता राम चंद्र चौहान 25 वर्ष निवासी- ग्राम कनीना, थाना- कनीना जिला- महेंद्र गढ़ (हरियाणा), सतीश कुमार वल्द रमेश चंद 44 वर्ष ,निवासी- ग्राम नांगल मोहनपुर पोस्ट- रसूलपुर थाना- रसूलपुर कनीना जिला- महेंद्रगढ़ (हरियाणा) का रहने वाला बताया। दोनों के पास रखे एक एक पिठ्ठू बैग में 4-4 पैकेट मादक पदार्थ मिला, बैगों को चेक करने पर कुल 08 पैकेट गांजा होना पाया गया जिसका कुल वजन 20 किलो ग्राम मादक पदार्थ गांजा जिसका कीमती 400000 उक्त दोनों आरोपियो को एनडीपीएस एक्ट के तहत् विधिवत कार्यवाही कर गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में दोनों आरोपी ने बताया कि बरामद गांजा को उड़िसा से खरीदकर सड़क मार्ग से रायपुर आना और रेल मार्ग से दिल्ली जाने के लिए गाड़ी का इंतजार कर रहा था कि पकड़ा गया।

शादी समारोह के दौरान डांस करने के मामूली विवाद पर हुई थी हत्या, दो विधि से संघर्षरत दो बालक भी हैं शामिल

भैंसबोड़ दोहरे हत्याकांड में पांच आरोपी गिरफ्तार

धमतरी-रायपुर (ए.)। 21 अप्रैल को ग्राम छतौद निवासी चंद्रकुमार ध्रुव अपने परिजन एवं गांव के अन्य लोगो के साथ बारात लेकर ग्राम भैंसबोड़ निवासी टिकेश्वर ध्रुव के घर आये थे जो बारात को परघौनी कर डीजे एवं बाजा में बाराती एवं घाराती के लड़के लोग नाचते गाते दुल्हन के घर के तरफजा रहे थे की दुल्हन के घर के कुछ दूर पहले चौक के पास बाराती एवं घराती के लड़को बीच नाचने गाने की बात को लेकर आपसी विवाद मारपीट होने लगे तभी मृतक रविकुमार तारक अपने पास रखे चाकू से बाराती में आये लड़के मृतक राकेश ध्रुव के सीने में मार दिया एवं हरिप्रेम निर्मलकर को पेट के पास चाकू मारकर घायल कर दिया राकेश ध्रुव एवं हरिप्रेम निर्मलकर को मारते देखकर विधि से संघर्षरत बालक एवं आरोपी नरोत्तम ध्रुव गुस्सा में आकर मृतक रविकुमार तारक को पकड़कर चैनसिंह साहू पीछे से हाथ मुक्का से मारपीट कर रहा था उसी समय आरोपी नरोत्तम ध्रुव अपने पास रखे चाकू को निकालकर मृतक रविकुमार तारक के पेट में मार कर दोनो आरोपी वहा से भाग कर बाराती गाड़ी में जाकर बैठ गये मृतक रविकुमार तारक को घायल अवस्था में ईलाज हेतु बठेना अस्पताल धमतरी ले गये जो ईलाज के दौरान मृत्यु हो गया कि शव पंचनामा कार्यवाही बाद मर्ग डायरी प्राप्त होने पर मर्ग जांच पर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ अपराध धारा 302 भादवि कायम कर विवेचना में लिया गया। वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देशन में विवेचना के दौरान चौकी बिरेझर पुलिस एवं सायबर टीम द्वारा अज्ञात आरोपियों के पतासाजी के लिए लगभग 200 सीसीटीवी कैमरे को खंगाला गया,जिस पर आरोपियों को चिन्हांकित भी किया गया। संदेहियों से पूछताछ किया गया एवं वहां उपस्थित साक्षियों से कथन के आधार पर चाकू मारने वाले आरोपियों की पता तलाश कर पहचान कार्यवाही कराया गया है आरोपीगण मृतक रवि तारक की हत्या आरोपी नरोत्तम ध्रुव पिता नारायण ध्रुव एवं आयुष साहू पिता शिवदयाल साहू एवं पोखराज यादव पिता मोहन यादव एवं दो विधि से संघर्षरत बालकों को पहचान कराया गया।

आयुष साहू द्वारा घटना में प्रयुक्त चाकू व आरोपी नरोत्तम ध्रुव द्वारा जानबुझकर साक्ष्य छुपाये जाने पाये जाने पर आरोपीगणों की कृत्य अपराध धारा घटित करना पाये जाने से विरुद्ध चौकी बिरेझर थाना कुरूद में अपराध क्रमांक-220/24 धारा-302,201,34 भादवि के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया एवं आरोपियों को गिरफ्तार कर ज्यूडिशियल रिमांड पर एवं विधि से संघर्षरत बालक को किशोर न्याय बोर्ड भेजा गया है।

आरोपियों में नरोत्तम ध्रुव पिता नारायण ध्रुव 18 वर्ष 05 माह ग्राम छतौद थाना तिल्दा जिला रायपुर, आयुष साहू पिता शिवदयाल साहू 19 वर्ष ग्राम हीरमी थाना सुहेला जिला बलौदाबाजार, पोखराज यादव पिता मोहन यादव 21 वर्ष ग्राम सरसोपुरी थाना अर्जुनी जिला धमतरी साथ ही दो विधि से संघर्षरत बालक शामिल हैं। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी कुरुद,चौकी प्रभारी बिरेझर एवं स्टॉफ व सायबर प्रभारी एवं सायबर टीम की सराहनीय भूमिका रही।

बहन को भगा देने का आरोप लगाकर मारपीट

कोरबा (ए.)। चारपारा कोहडिया में मारपीट और तोडफोड़ से संबंधित घटना को लेकर पुलिस ने कुछ लोगों पर अपराध दर्ज किया। रात्रि को यह घटना हुई है। मामले में आगे की कार्रवाई करने की बात पुलिस ने कही। सीएसईबी चौकी प्रभारी भीमसेन यादव ने बताया कि सचिन धंधे चारपारा कोहड़िया में निवासरत है। उसके साथ मामा के लड़कों ने मारपीट की घटना को न केवल अंजाम दिया बल्कि उसके घर की छत को भी तोड़फोड़ कर नुकसान पहुंचाया। सचिन ने जो कुछ जानकारी पुलिस को दी है उसमें कहा गया कि उस पर दूसरे पक्ष ने एक युवती को भगा देने का आरोप लगाया है जबकि इस मामले में उसकी कोई भूमिका है ही नहीं। प्रार्थी ने अपने स्तर पर उन लोगों को समझाने की पूरी कोशिश की लेकिन वे मानने को तैयार नहीं हुए और मारपीट की। उनके विरूद्ध आईपीसी की धारा 294, 323, 506, 427 और 34 के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया है।

Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी

RAKESH SINGH
Mob.-9840760388
7987759030
Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more
पुष्पांजलि स्वीट्स के बाजू में, कृष्णा टाकिज रोड, रिसाली, भिलाई

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
V.I.P happy journey
AMERICAN TOURISTER

कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में
रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

भिलाई मसाला उद्योग

शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.

रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

खास - खबर

चालू वर्ष की संपत्तिकर अदायगी पर अप्रैल से जून तक 6 प्रतिशत छूट

दुर्ग। दुर्ग क्षेत्र में रहने वाले कर दाताओं को अप्रैल से जून तक के चालू वर्ष की संपत्तिकर अदायगी पर 6 फीसदी छूट देने का निगम प्रशासन ने फैसला लिया है। आयुक्त लोकेश चन्द्राकर के निर्देश पर शहर में निवासरत वार्ड क्रमांक 01 से 60 वार्ड के संपत्तिकर करदाताओं द्वारा अपने भवनों - भूमियों का सनहाल वित्तीय वर्ष 2024-25 का टैक्स राशि जमा करने वाले करदाताओं को वर्ष 2024-25 के संपत्तिकर पर छूट का लाभ दिया जाएगा। बता दे कि करदाताओं के लिए इस सुनहरा अवसर का लाभ ले सकते है। जानकारी में राजस्व अधिकारी दुर्गेश गुप्ता ने बताया कि अप्रैल से जून तक 6त्न छूट, जुलाई से सितम्बर 4 प्रतिशत छूट एवम अक्टूबर से दिसम्बर तक 2 प्रतिशत छूट प्राप्त कर सकते है।

श्रमण संघीय संस्कार शिविर जय आनंद मधुकर रतन भवन में प्रारंभ

दुर्ग। श्रमण संघीय आवासीय जैन संस्कार शिविर आज जय आनंद मधुकर रतन भवन बांधा तलाब दुर्ग में प्रारंभ हुआ गंजपारा दुर्ग से जय आनंद मधुकर रतन भवन तक शिविर में हिस्सा लेने वाले शिवरार्थीयों की प्रभात फेरी निकाली गई जिसमें साध्वी श्री विजय श्री जी साध्वी प्रियदर्शना श्री जी अपने साध्वी समुदाय के साथ श्रमण संघीय आवासीय जैन संस्कार शिविर में लगभग 180 बच्चों का रजिस्ट्रेशन किया गया जिन्हें छोटे-बड़े अलग-अलग भागों में विभक्त कर अलग अलग ग्रुप बनाया गया जिसमें जय आदिनाथ, जय महावीर, जय गौतम स्वामी जय चंदन बाला, जय ब्राम्ही, जय आनंद, ग्रुप में सात अलग-अलग कक्षाएं संचालित होगी। साध्वी विजय जी साध्वी प्रियदर्शना जी के पावन सानिध्य में आयोजित इस शिविर में बच्चे जीवन नवनिर्माण के साथ-साथ धार्मिक अध्यन सूत्र सीखेंगे साथी ही आत्म ध्यान ,संस्कार, संगीत स्पर्धा, भाषण कला, मर्यादा अनुशासन, धार्मिक खेल, शुद्ध सामायिक सम्यक तप आहर। शुद्धि के अनेक गुण साध्वी समुदाय की निश्रा में सिखेंगे और उसे अपने जीवन में अपनाने हेतु साध्वी समुदाय एवं आनंद मधुकर रतन पाठशाला के शिक्षिका इस दिशा में प्रेरित करेंगे।

श्रमिक दिवस पर श्रमिकों ने राजेंद्र साहू को अपने बीच पाया तो खुशी से झूम उठे

दुर्ग। दुर्ग लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार राजेन्द्र साहू ने दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत विभिन्न ग्रामों का दौरा कर कांग्रेस पार्टी के पक्ष में मतदान करने का निवेदन किया जिसे सहर्ष स्वीकार करते हुए सभी लोंगो ने एक सुर में पंजा छाप में बटन दबाकर भारी मतों से जिताने का संकल्प लिया। दुर्ग ग्रामीण क्षेत्र के पहले अलसुबह कृषि उपज मंडी में जाकर सब्जी एवं फ्ल मंडी के व्यापारियों एवं मजदूरों से पंजा छाप में बटन दबाकर मतदान करने का निवेदन किया जैसे ही राजेन्द्र साहू कृषि उपज मंडी पहुंचे ढोल नगाड़ों की थाप पर एवं आतिशबाजी कर भव्य स्वागत किया गया। फ्ल एवं सब्जी मंडी के व्यापारियों ने कहा कि वर्तमान सांसद एवं भाजपा के उम्मीदवार विजय बघेल सांसद बनने के बाद कभी दर्शन नही दिया ऐसे सांसद का हम बहिष्कार करते हुए सहज सरल सौम्य एवं मिलनसार व्यक्तित्व के धनी राजेन्द्र साहू को दो नम्बर में बटन दबाकर ऐतिहासिक मतों से जिताएंगे। सब्जी मंडी के कार्यकारी अध्यक्ष नासिर खोखर, सचिव छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी अय्यूब खान ब्लाक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष महिमा सिंह भुवाल पूर्व पार्षद कन्या ढीमर राकेश साहू गीता देवी एवं महिला कांग्रेस कमेटी की सचिव कांति बर्रे सहित व्यापारी एवं मजदूर उपस्थित थे।

वैशाली नगर विधानसभा में जनसंपर्क यात्रा के दौरान भाजपा प्रत्याशी विजय बघेल का जोरदार स्वागत

वैशाली नगर से एक लाख की लीड तय : रिकेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग लोकसभा के भाजपा सांसद प्रत्याशी विजय बघेल ने बुधवार सुबह से देर रात तक वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र में वृहद जनसंपर्क किया। इस दौरान वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन सहित भाजपा के अन्य वरिष्ठ नेता व सैकड़ों कार्यकर्ता रैली के रूप में विजय बघेल के जनसंपर्क कार्यक्रम में मौजूद रहे।बुधवार सुबह 9 बजे बैकुंठ धाम मंदिर पहुंचे विजय बघेल और विधायक रिकेश सेन का भाजपा नेता राजेंद्र अरोरा के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने अभिनंदन किया।

यहां से भाजयुमो अध्यक्ष अमित मिश्रा, विनय सेन के नेतृत्व में सैकड़ों युवा दोपहिया वाहन से खुली जीप में मौजूद भाजपा प्रत्याशी विजय बघेल, विधायक रिकेश सेन, महिला मोर्चा अध्यक्ष स्वीटी कौशिक, अरविंद जैन, शंकर लाल देवांगन, पुरूषोत्तम देवांगन, प्रवीण पांडेय, नागेंद्र मिश्रा की अगुवानी करते रैली के रूप ने निकले।

वैशाली नगर के बैकुंठधाम से निकल कर विजय बघेल की रैली सुबह 9:30 बजे राष्ट्रीय विद्यालय, 9:45 बजे साहू लकड़ी टाल के पास पहुंची जहां रवि साहू के नेतृत्व में मुन्ना आर्य, त्रिलोचन सिंह, अशोक गुप्ता ने रैली का स्वागत किया। सुबह 10 गणेश चौक, संतोषी पारा, मिलन चौक होते हुए वाहन रैली शीतला मंदिर चौक पहुंची जहां निषाद सेवा समिति की ओर से विधायक प्रतिनिधिगण राजेश चौधरी, छोटेलाल चौधरी, सोहन देवांगन ने रैली का स्वागत किया। 10:30 बजे हनुमान मंदिर शारदा पारा होते हुए वाहन रैली का शहीद भगत सिंह चौक पर विधायक प्रतिनिधि सर्वजीत कौर और अवतार सिंह ने गाजे बाजे और आतिशबाजी के साथ रैली का अभिनंदन किया। 10:45 बजे कबीर कुटीर और कुष्ठ बस्ती चौक पर सैकड़ों समर्थकों के साथ विधायक प्रतिनिधि विजय वर्मा ने भाजपा प्रत्याशी विजय बघेल और विधायक रिकेश का अभिनंदन किया।

यहां से विजय बघेल की वाहन रैली समीपस्थ बस्तियों में जनसंपर्क करती हुई युग निर्माण विद्यालय, आदर्श नगर हनुमान मंदिर कैंप-1 होते हुए पौने 12 बजे सुभाष चौक पहुंची जहां विधायक प्रतिनिधि अनुज यादव के नेतृत्व में जबरदस्त आतिशबाजी के साथ स्वागत किया गया। दोपहर 12 बजे सांसद विजय बघेल की रैली 18 नंबर रोड होते हुए श्री पोट्टी रामलू चौक पहुंची यहां मौजूद विधायक प्रतिनिधि अप्पा राव और बी रामा राव ने रैली का ढोल बाजों के साथ स्वागत किया। 12:15 बजे आम्रपाली कॉलोनी में सुरजीत सिंह और स्थानीय निवासियों ने प्रत्याशी विजय बघेल का अभिनंदन किया।

12:30 बजे बिजली ऑफिस के पास पहुंची रैली का विधायक प्रतिनिधि कुलवंती सिंह और फौजी नगर में मोतीलाल श्रीवास्तव ने नेताजी सुभाष चौक पर जनसंपर्क रैली का स्वागत किया। दोपहर 1:45 बजे एसबीआई बैंक के सामने और हाउसिंग बोर्ड हनुमान मंदिर चौक पर विधायक प्रतिनिधि भारती देशमुख, प्रीति जाधव के नेतृत्व में वाहन रैली का जबरदस्त आतिशबाजी के साथ स्वागत हुआ। हाउसिंग बोर्ड गुरुद्वारा चौक पर विधायक प्रतिनिधि मुखविंदर सिंह और पार्षद पीयूष मिश्रा ने प्रत्याशी विजय बघेल और विधायक रिकेश सेन का अभिनंदन किया। मध्यान्ह साढ़े 3 बजे कैलाश नगर में विधायक प्रतिनिधि शशि भगत, प्रदीप गुप्ता और मनीष सिंह के नेतृत्व में रैली का स्वागत किया गया। 3:30 बजे भगवा चौक पर विधायक प्रतिनिधि नैन टंडन और नीलम सोनी ने रैली का अभिनंदन किया। यहां से जनसंपर्क रैली कुरूद बस्ती पहुंची जहां पूर्व पार्षद कमल साहू ने समर्थकों के साथ विजय बघेल का अभिनंदन किया। रुंगटा कॉलेज के सामने सैनिक प्रकोष्ठ से विधायक प्रतिनिधि गिरजेश सिंह, नागेंद्र सिंह ने रैली की अगुवानी की। शाम साढ़े 4 बजे हनुमान मंदिर कोहका रोड पर विधायक प्रतिनिधि दिलेश्वर और शांति नगर में मुन्ना कुकरेजा, आलोक जैन ने रैली का जबरदस्त आतिशबाजी के साथ अभिनंदन किया। शाम 5 बजे जनसंपर्क रैली का पालीवाल डायरी में बलदेव सिंह, गोले मार्केट वैशाली नगर में विधायक प्रतिनिधि श्रीमती नमिता हांडा, श्रीमती मनीषा राठी के नेतृत्व में भाजपा सांसद विजय बघेल की आरती उतार आतिशबाजी के साथ स्वागत किया गया। विजय बघेल की जनसंपर्क रैली गौरव पथ से होती हुई रामनगर मुक्तिधाम रोड पहुंची जहां अंकालू विश्वकर्मा और विधायक प्रतिनिधि संजय साहू के नेतृत्व में, शाम 6 बजे आजाद चौक होते हुए जनसंपर्क रैली बीएम शाह हास्पिटल रोड पहुंची यहां विधायक प्रतिनिधि भगवती साव, अखिलेश सिंह, रिंकू द्वारा अभिनंदन किया गया।

शाम 7 बजे परदेशी चौक पर विधायक प्रतिनिधि मुरलीधर गुलहाने, 7:15 बजे रावण भाटा सुपेला में सचिन ताम्रकार और 7:45 बजे शासकीय स्कूल सुपेला में विवेक सेन तथा 8 बजे सुपेला मस्जिद रोड पर विधायक प्रतिनिधि समद कुरैशी और मोहम्मद इरफान द्वारा जनसंपर्क रैली का अभिनंदन किया गया।

सेवानिवृत्त होने पर दो कर्मचारियों को स्टाफ द्वारा दी गई विदाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम के जलप्रदाय विभाग ने पदस्थ दो कर्मचारियों बगस सारथी एवं श्याम लाल यादव के सेवानिवृत्ति होने पर स्टाफ ने दी भावभीनी विदाई दी।आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने कहा कि सेवानिवृत्ति कर्मचारी की निश्चित व्यवस्था है। सही में यह एक दौर की शुरुआत है। सभी कर्मचारियों को इस दौर से गुजरना होता है।

आयुक्त द्वारा शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जल प्रदाय विभाग दोनो कर्मचारी बगस सारथी एवं श्याम लाल यादव को एक सच्चे व जिम्मेदार कर्मचारी रहे, सेवानिवृत्ति से उपजी उनकी कमी हमेशा खलेगी। उन्होंने अपनी जिम्मेदारी का कुशलता से निर्वहन किया।दो कर्मचारी सेवानिर्वित हुए है इन लोगो ने जल प्रदाय विभाग मे अपनी कार्य को सच्चाई ईमानदारी से निर्वहन किया है जल प्रदाय विभाग के समस्त अधिकारी/कर्मचारी इनकी स्वस्थ दिर्धायु की कामनाएं करते हुए सहसम्मान बिदाई दिया गया इस बिदाई समारोह के अवसर पर राजूलाल चंद्राकर जलकार्य निरीक्षक,श्रीमती वंदना श्रीवास्तव,श्रीमती लक्ष्मी साहु , सीमा नायक, सुजाता, भागवत यादव,कोमल यादव,एरिक जांशन मसीह, दिनेश,नरेंद्र ठाकुर, राजेश निषाद, कुशाल,राकेश यादव,प्रश्नन पात्रे, राकेश निषाद, पप्पू यादव,उपस्थित रहे।

जैन इंजीनियर्स सोसायटी शुरू कर रही भिलाई-दुर्ग चेप्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। अखिल भारतीय स्तर पर जैन इंजीनियर्स सोसायटी फांउडेशन के अन्तर्गत 28 विभिन्न शहरों में इस प्रकार के कार्य विगत 22 वर्षों से निरंतर किये जा रहे है। इसी कड़ी में 29वें चेप्टर के रूप में भिलाई-दुर्ग चैप्टर का शुभांरभ एवं शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन 5 मई 2024 रविवार को सुबह 11 बजे से जैन भवन श्री दिगम्बर जैन मंदिर नेहरू नगर, भिलाई में होगा। शपथ ग्रहण समारोह के अंतर्गत नवीन शाखा के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, उपसचिव कोषाध्यक्ष एवं अन्य समितियों के प्रभारियों को उनके पद अनुरूप शपथ दिलाई जावेगी ।

शपथ ग्रहण समारोह में जैन फाउंडेशन के वरिष्ठ पदाधिकरियों का आगमन भी हो रहा है। जिसमें इंदौर सेन्ट्रल जोन के चेयरमैन इंजी. देवेन्द्र सपना जैन, उपाध्यक्ष इंजी. शरद-विजया सेठी, भोपाल अध्यक्ष इंजी. सुनील-अनिता जैन, एवं अन्य कई स्थानों से इंजीनियर्स इस कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति व फांउडेशन के विगत कार्यों व कार्य प्रणाली पर अपना व्याख्यान देगें। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि धीरज बाकलीवाल महापौर नगर निगम दुर्ग, मुनिश्री प्रमाणसागर जी द्वारा संचालित शंका समाधान कार्यक्रम के फेम संचालक पंडित सुदर्शन जैन गुणायतन का विशेष आतिथ्य प्राप्त हो रहा है।

75 से अधिक इंजीनियर्स ने किया पंजीयन

प्रेस वार्ता के दौरान जैन इंजीनियर्स सोसायटी के द्वारा बताया कि अब तक इस सोसायटी के अंतर्गत भिलाई-दुर्ग अंचल के 75 से अधिक इंजीनियर साथियों ने अपना पंजीयन करा लिया है। इस प्रकार शपथ ग्रहण समारोह में 200 से अधिक इंजीनियर एवं गणमान्य नागरिक की उपस्थित देखी जा रही है। इस सोसायटी के अंतर्गत युवा व अनुभवी इंजीनियर साथियों द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता, कौशल विकास, पर्यावरण संरक्षण, लोककला संरक्षण, वृद्ध जनसेवा, नैतिक शिक्षा एवं करियर कांउसलिंग आदि कार्यों को प्रमुखता से संचालित कर जन सामान्य तक पहुंचाने की योजना बनाई जा रही है, जिसका लाभ स्कूली बच्चों, बेरोजगार युवाओं व जरूरतमंद लोगों को मिल सकेगा।

इन इंजीनियर्स का होगा सम्मान

अंचल को विगत अनेक वर्षों से अपनी सेवाएं दे रहे इंजीनियर अरविंद-कनिका जैन (भिलाई इंजीनियरिंग कार्पोरेशन), इंजी. सुरेंद्र चंदा जैन (रिटायर्ड कार्यपालक निदेशक, भिलाई इस्पात संयंत्र), इंजीनियर धरमचंद-विमला लुनिया (पद्मनाभपुर), इंजीनियर सनत-मालती जैन (वैशाली नगर), इंजीनियर पन्ना लाल- स्नेहलता पारख (नेहरु नगर), इंजीनियर सुरेन्द्र कुमार-कुसुम जैन (से.नि. उपमहाप्रबंधक मेकॉन) को नवीन शाखा में वरिष्ठ सलाहकार एवं संरक्षक के रूप में पदेन किया गया है साथ ही इनकी विशिष्ठ सेवाओं हेतु इन्हें सम्मानित किया जायेगा।

'मिशन लक्ष्मी' के तहत 58 महिलाओं का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। 'मिशन लक्ष्मी' के अंतर्गत 1 मई 2024 को भिलाई इस्पात कल्याण चिकित्सालय में, महिलाओं से सम्बन्धित पूर्ण शैक्षिक स्वास्थ्य कार्यक्रम और नि:शुल्क परीक्षण हेतु शिविर का आयोजन किया गया था। यह आयोजन सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के जवाहरलाल नेहरु चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र तथा निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व विभाग के संयुक्त तत्वाधान में किया गया। जिसमें कुल 58 ठेका महिला श्रमिकों का नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। उपस्थित महिला श्रमिकों के एनीमिया व कैसर से संबंधित शंकाओं का समाधान कर, उन्हें आहार विशेषज्ञों द्वारा संतुलित आहार के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

इस शिविर में स्तन कैंसर व प्रजनन अगों के कैंसर के लक्षण, परीक्षण, सजगता और खान-पान सहित संतुलित आहार के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। भिलाई इस्पात संयंत्र के पं. जवाहरलाल नेहरु चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र में, 08 अप्रैल 2024 को विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर 'मिशन लक्ष्मी' का शुभारंभ किया गया था। इस अवसर पर डॉ शायला जेकब, डॉ निशा ठाकुर, डॉ शुभस्मिता, डॉ प्रिया साहू, डॉ दीपक, डॉ. निशि मिंज, डॉ सरस्वती, श्रीमती लता मिश्रा, नर्सिंग स्टाफसे प्रभा, टेक्नीशियन असरफसहित भिलाई इस्पात कल्याण चिकित्सालय की पूरी टीम उपस्थित थी। 08 अप्रैल 2024 को 'मिशन लक्ष्मी' का शुभारम्भ, मुख्य अतिथि कार्यपालक निदेशक पवन कुमार द्वारा प्रतीक चिन्ह (लोगो) का अनावरण कर किया गया था। 'मिशन लक्ष्मी' योजना, जेएलएन अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र तथा निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व विभाग के संयुक्त तत्वाधान में, महिलाओं के व्यापक स्वास्थ्य से सम्बन्धित योजना है। जिसके पायलट प्रोजेक्ट में 50 महिला ठेका श्रमिकों को सम्मिलित किया गया था। इस मिशन में 12 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं को शामिल किया गया है। साथ ही 21 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं में कैंसर की जाँच हेतु पैप स्मीयर टेस्ट किया जाता है। यह आयोजन मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डॉ एम रविन्द्रनाथ के मार्गदर्शन में, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ प्रमोद बिनायके, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ विनीता द्विवेदी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ के ठाकुर, एसीएमओ डॉ मनीषा कांगो, महाप्रबंधक शाहिद अहमद, महाप्रबंधक शिवराजन, वरिष्ठ प्रबंधक सुशील कुमार कामड़े की सहायता से आयोजित की गई थी। भिलाई इस्पात संयंत्र, महिला कर्मचारियों के कल्याणार्थ समय-समय पर विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी देखभाल कार्यक्रमों एवं जागरूकता कार्यशालाओं का आयोजन करता है। 'मिशन लक्ष्मी' ऐसे ही पहलों में से एक है।

मतदान अवश्य करें, यह आपका अधिकार है 'सभी चुनें सही चुनें'- डॉ सुधीर गागंये

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई दुर्ग शहर के लोकप्रिय चिकित्सा डॉ सुधीर गागंये, ये दुर्ग जिले में 7 मई को होने जा रहे तीसरे चरण के चुनाव ने मे दुर्ग जिला वासियों से मतदान करने की अपील की है डॉ सुधीर गागंये ने कहा कि सभी मतदाताओं को लोकतंत्र के इस महापर्व में भाग लेना चाहिए मतदाता सभी चुने सही चुनेंज चुनाव में हर मतदाता अपने मत द्वारा चुनें सही उम्मीदवार! डॉ सुधीर गागंये के अनुसार मतदान के दिन हमें इस देश दिशा तय करने का अवसर मिलेगा। हम एक मतदाता के रूप में ऐसे प्रत्याशी को चुनें, जो हमारी समस्याओं का पूरा ध्यान रखें, उनका निराकरण करवा सके।सरकार द्वारा हमें मतदान करने के लिए छुट्टी भी दी जाती है। इसका उपयोग हम केवल मतदान के लिए ही करें, क्योंकि देश का नेतृत्व सही होगा, तभी हमारा जीवन भी सही रह पाएगा। हमें अपने आसपास के देशों की स्थिति को भी देखनी चाहिए, जहां पर लोगों को मतदान में भाग लेने तक का अवसर नहीं दिया जाता। हमारे देश में पूरी स्वतंत्रता है, कि कौन किसे अपना मत देगा। यह स्वयं तय करें। लोगों को भी जागरुक करें और उन्हें मतदान के लिए संभव हो तो अपने साथ ले जाएं, क्योंकि देश रहेगा तो हम रहेंगे। मतदान जैसा महापर्व पांच साल में एक बार आया करता है। इसमें सभी लोग बढ़-चढ़कर हिस्सा लें।

हेमचंद यादव विश्वविद्यालय में पीएचडी अवार्ड शोधार्थियों का आंकड़ा हुआ अर्द्धशतक

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग में 2018 से आरंभ हुई पीएचडी डिग्री हेतु शोध की शुरूआत के पश्चात् सन् 2024 तक 50 शोधार्थियों को पीएचडी की डिग्री प्रदान की गई है। इसमें उल्लेखनीय बात यह है कि पूरे 50 पीएचडी मौखिकी परीक्षा के दौरान विष्वविद्यालय की कुलपति, डॉ. अरूणा पल्टा स्वयं उपस्थित रहीं। सम्भवत: विष्वविद्यालयों में पीएचडी वायवा के दौरान किसी कुलपति की प्रत्येक वायवा में उपस्थिति अपने आप में रिकार्ड है। यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय की पीएचडी सेल प्रभारी, डॉ. प्रीता लाल ने बताया कि विश्वविद्यालय परिसर स्थित टैगोर हॉल में आज षिक्षा संकाय के दो पीएचडी वायवा आयोजित हुए। इन दोनों शोधकर्ताओं का शोधकेन्द्र कल्याण महाविद्यालय, सेक्टर 07 भिलाई था।

डॉ. प्रीता लाल ने बताया कि प्रथम वायवा सेंट थॉमस कॉलेज, भिलाई की शोधनिर्देषक, डॉ. ज्योत्सना गड़पायले के मार्गदर्षन एवं सह शोधनिर्देषक, कल्याण कॉलेज, भिलाई की डॉ. आरती मिश्रा के सह शोधनिर्देषन में श्री राम शिक्षा महाविद्यालय, ठाकुरटोला, राजनांदगांव की सहायक प्राध्यापक, श्रीमती नम्रता बुलदेव ने अपना शोधकार्य पावर प्वाइंट प्रस्तुतिकरण के माध्यम से प्रस्तुत किया। बाह्य परीक्षक के रूप में गुरू घांसीदास केन्द्रीय विष्वविद्यालय, बिलासपुर के प्राध्यापक, डॉ. सुजीत कुमार मिश्रा उपस्थित थें। श्रीमती नम्रता बुलदेव ने उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के परासंज्ञान कौषल पर तनाव एवं तार्किक चिंतन के प्रभाव का अध्ययन विषय पर अपना शोधकार्य प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि तनाव के विभिन्न प्रकारों में विद्यार्थियों को होने वाले तनाव से बचाने हेतु षिक्षक, पालक, विद्यालय, आदि सभी को समूचित रूप से प्रयास करना होगा।

डॉ. लाल के अनुसार आज आयोजित द्वितीय वायवा में सेंट थॉमस कॉलेज, भिलाई की डॉ. सुमीता सिंह शोधनिर्देषक तथा कल्याण कॉलेज, भिलाई की डॉ. अनिता श्रीवास्तव के मार्गदर्षन में शोधछात्रा छत्तीसगढ़ वाणिज्य एवं विज्ञान महाविद्यालय, सेक्टर 06 भिलाई की सहायक प्राध्यपक नसीम बानो ने उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की अधिगम शैली एवं शैक्षिक चिंता का शैक्षिक षिथिलता पर प्रभाव का अध्ययन विषय पर अपना शोधकार्य प्रस्तुत किया। बाह्य परीक्षक के रूप में नागपुर के प्रोफेसर, देषपांडे उपस्थित थें। उन्होंने बताया कि षिक्षण के दौरान तैयारी में कमी एवं मेहनत की कमी के कारण विद्यार्थियों में शैक्षिक षिथिलता आती है। पीएचडी वायवा के दौरान कल्याण महाविद्यालय, भिलाई के प्राचार्य, डॉ. आर. पी. अग्रवाल, कुलसचिव, भूपेन्द्र कुलदीप, अधिष्ठाता छात्र कल्याण, डॉ. प्रषांत श्रीवास्तव, डीसीडीसी, डॉ. प्रीता लाल, सहायक कुलसचिव, डॉ. सुमीत अग्रवाल एवं विभिन्न महाविद्यालयों के प्राध्यापक तथा शोधार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थें।

मई दिवस पर प्लेट मिल के श्रमिक सुरक्षा पुरस्कार से सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के प्लेट विभाग में दिनांक 01 मई 2024 को अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर सुरक्षा पुरस्कार सम्मान समारोह का आयोजन प्लेट मिल के सभागार में मुख्य महाप्रबंधक आर के बिसारे के मुख्य आतिथ्य में किया गया। कार्यक्रम में प्लेट मिल के 10 श्रमिकों को सुरक्षा सर्वोत्तम, सुरक्षा अनमोल तथा सुरक्षा दक्ष पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

सुरक्षा पुरस्कार से सम्मानित होने वाले श्रमिकों में शामिल हैं सुरक्षा सर्वोत्तम से विभीषण निषाद, सुरक्षा अनमोल से जवाहर लाल बरनवाल, उमाशंकर कोसरे, एवं सुरक्षा दक्ष से अमिल कुमार, बी हरिचरण, दीपक कुमार, आत्माराम बंजारे, नीलमणी साहू, पुनेश कुमार बारले एवं श्रीमती मेम बाई को सुरक्षा के प्रति उनके उत्कृष्ट कार्यो हेतु सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि आर के बिसारे ने अपने उदबोधन में कहा कि सुरक्षा हम सब की सामूहिक जिम्मेदारी है।

सुरक्षा को प्रथम प्राथमिकता देते हुए हमें अपनी तथा अपने साथियों की सुरक्षा और मशीनों के उचित रखरखाव के साथ-साथ कार्यस्थल में बेहतर हाउस कीपिंग एवं इलुमिनेशन का भी ध्यान रखना है। नियर मिस केस के प्रति सतर्क रहे। सुरक्षा को प्रत्येक कामगार अपनी आदत में शामिल करें। सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए उत्पादन और उत्पादकता सुनिष्चित करना है। कार्यक्रम में विषेष अतिथियों के रूप में प्लेट मिल विभाग के महाप्रबंधकगण भास्कर रॉय, जे. सुधाकर, डी. सारंगी, सुनील मित्रा, संजय त्रिपाठी तथा उप महाप्रबंधक संजय कुमार व राजेश गुप्ता उपस्थित थे। कार्यक्रम में उपस्थित विषेष अतिथियों ने भी सुरक्षा पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कार्यस्थल में ठेका श्रमिकों के योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने पुरस्कृत श्रमिकों की सराहना करते हुए कहा कि भविष्य में भी सतर्क रहकर सुरक्षित कार्य प्रवृत्तियों अपनाते हुए अपने साथियों को भी सुरक्षा के प्रति जागरूक करें।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950